भारतीय रबड़ निर्माता अनुसंधान संघ

गुणवत्ता नीति

- गुणवत्ता व्यवस्थापन यंत्रना एवं पध्दती का पालन करते हुए समय पर, नविनतापूर्ण एवं विश्व श्रेणी की सेवाएँ प्रदान करना ।

- हमारे ग्राहकों कि आवश्यकता के अनुसार रबड उत्पादन का डिजाईन, विकास तथा उन्हे समयोचित करना ।

- हमारे ग्राहको को भरोसे के साथ, निर्भय रहने योग्य तथा सहजता से उपलब्ध होनेवाली परिक्षण एवं मुल्यांकन सेवाएँ प्रदान करना ।

- प्रशिक्षण उपलब्ध कराके रबड एवं अन्य उत्पाद के निर्माता एवं अंतिम उपभोक्ता के तंत्र के विषय की सक्षमता को बढाना ।

- सभी संबंधी की सुरक्षा, नैतिकता एवं कार्यस्थल मे निरंतर सुधार करने हेतू कठोर परिश्रम करना ।

दिनांक : 8-07-2015

एस/डी
डॉ. के. राजकुमार
निदेशक

भारतीय रबड़ निर्माता अनुसंधान संघ

शासी परिषद २०१४-१५ के सदस्य

शासी परिषद २०१४.२०१५ के सदस्य

अध्यक्ष

डॉ. रघुपति सिंघानिया
अध्यक्ष -आयआरएमआरए
उपअध्यक्ष एवं व्यवस्थापकिय निर्देशक
जे.के. टायर्स अँड इंडस्ट्रिज लिमिटेड़,
लिंक हाउस, बहादुरशाह जफार मार्ग,
नई दिल्ली-११० ००२

भारत सरकार,
संयुक्त सचिव, डी.आय.पी.पी. नई दिल्ली
निदेशक (वित्त), डी.आय.पी.पी. नई दिल्ली

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद,
डी.एस.आय.आर.
डॉ.एस.के.देशपांडे- एससी.जी,
सी.एस.आय.आर.
विज्ञान और प्रौद्योगिक मंत्रालय, नई दिल्ली

महाराष्ट्र सरकार,
मि. ए. आर. चांदोरीकर
संयुक्त निर्देशक, उद्योग विभाग, कोकण प्रभाग,
एमआईडीसी कार्यालय, कॉम्पलॅक्स बिल्डिंग, वागले
औद्योगिक क्षेत्र, ठाणे मुलूंड
(चेकनाका के पास)-४०० ६०४

भारतीय परिमानमंडल : बीआय एस
श्री.ड़ी.के.नायर, तांत्रिकी-प्रमुख सदस्य,
वैज्ञानिक जी और ड़ीड़ीजी (मानकीकरण)
भारतीय परिमाण मंड़ल
मानक भवन, ९ बहादुरशाह जफारमार्ग,
नई दिल्ली-११० ००२

रबड़ बोर्ड
डॉ. जेम्स जेकब, निर्देशक
भारतीय रबड़ अनुसंधान संस्था रबड़ बोर्ड,
कोट्टायम ६८६ ००९

मार्ग परिवहन मध्यवर्ती संस्था
(सीआईआरटी)
निर्देशक,
मार्ग परिवहन मध्यवर्ती संस्था (सीआईआरटी)
पुने-नासिक रोड़, पोस्ट बॉक्स नं. १८९७
भोसरी, पुने-४११ ०२६

अखिल भारतीय रबड़ उद्योग संघ
(एआईआरआईए)
श्री.योगेश एस. लाठिया,
निर्देशक लाठिया रबड़ मैन्यू. कं.प्रा.ली.
साकिनाका, मुंबई-४०० ०७२

श्री. एम.एफ.व्होरा,
झेनित औद्योगिक रबड़ उत्पादक प्रा.लि.
ए-२,पारेख महाल, वीर नरिमन रोड़,
मुंबई- ४०० ०२०. भारत

आटोमोटिव टायर मैन्यूफैक्चरर्स
असोसिएशन.
(एटीएमए)
राजिव बुधराजा, महानिर्देशक, प्रमुख सद्स्य,
पीएचड़ी हाउस, ४ थामजला,
असियन गेम्स व्हिलेज के सामने
सिरीइन्स्टिट्युशनल एरिया,
नई दिल्ली - ११० ०१६.

श्री. विनय विजय वर्गिया,
सचिव, वैकल्पिक सदस्य,
भारतिय टायर तांत्रिकी सलाहाकार समिति,
आयटीटीएसी, पीएचडी हाउस, ४ थी मंजिल,
ऑफ असियन गेम्स व्हिलेज,
सिरी इंटीट्युशनल एरिया,
नई दिल्ली - ११० ०१६

उद्योग क्षेत्र से चंदादार सदस्य .
डॉ.डब्ल्यू. मिलन्स, त्रिवेनी रबड़,
पुंजानी औद्योगिक क्षेत्र,
खोपट, ठाणे- ४००६०१

मि. जी.ए.निजहवन,
क्वलिटी पालीमर्स प्रा.लि,
क्षेत्र क्र. ए-४७१, सड़क क्र.२८, वागले
औद्योगिक क्षेत्र, ठाणे- ४०० ६०४.

आईआरएमआरए, निर्देशक

आमंत्रित उद्योग के संपर्क के लिए,
श्री. निरज ठक्कर,
प्रेसिजन रबड़ इंडस्ट्रिज प्रा.लि.
सी-४५, रोड़ नं. २५, वागले इस्टेट,
ठाणे- ४०० ६०४

श्री. डॉ. आर. बी. गांधी
गुजरात रिक्लेम अँण्ड रबड़ प्राड़क्ट लि.,
कुर्ला (पश्चिम), मुंबई- ४०००७०

मि. ड़ी.जे.भरुचा,
भिमराज काइम्पेक्स लि.(बीआईएल)
१८४-बी, मेकरटॉवर
इ, १८ फलोर, क्यूफ ,
मुंबई-४०० ००५,

श्री. व्ही.के.मिश्रा,
के. टायर्स अँड इंडस्ट्रिज लिमिटेड
नई दिल्ली-११० ००२.

मि. प्रशान्त
लॅन्क्सेस इंडिया प्रा.लि.

डॉ. आर.के.माथन,
रेवरटेक्स-कालेटेक्स इंडिया प्रा.लि.
चेन्नई-६०० ०१७

सुक्ष्म दृष्टि (विजन)

ग्राहकों को नविनता एवं मूल्यवर्धित सेवाओं के साथ विश्व श्रेणी की रबड़ एवं अन्य मटेरियल की अनुसंधान, विकास, परिक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र प्रदान करने हेतू समर्पण भावना रखना।

लक्ष्य (मिशन)

रबड़ तथा अन्य उद्योग को उनकी वैश्विक स्पर्धात्मक में सुधार लाने के लिए उनकी वैज्ञानिक तथा तकनीकि आवश्यक्ताओं को पूरा करने हेतू सेवाएँ प्रदान करना।

नैतिक मूल्य (वैल्यूज)

- सद्भाव
- अखण्ड़ता
- विश्वसनीय
- सर्वोत्तम

अध्यक्ष का संदेश

सुप्रभात,

देवीयो और सज्जनो,

पूरे विश्व में २०१४-१५ का वर्ष वास्तव में कठिनाईयों भरा और चुनौतियों से भरा वर्ष था ।

भारत में अर्थव्यवस्था में गिरावट जारी रही और लगातार इस वर्ष भी वृद्धि दर ७ प्रतिशत रही। विभिन्न परियोजनाओं में निवेश रुक गए जिस के कारण भी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) कम रहा। बुनियादी ढ़ांचें में सुधारों और निवेश योजनाओंपर वर्तमान संपूर्ण फोकस से निश्चित रुप से भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता, विशेष रुप से हमारे हित के एक क्षेत्र अर्थात विनिर्माण क्षेत्र में यह प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

इस समय रबड़ उद्योग बहुत अच्छा कारोबार नहीं कर रहा है। कम घरेलू उत्पादन, अधिक आयात शुल्क, अस्थिर मूल्य और रबड़ उद्योग में मंदी के साथ-साथ प्राकृतिक रबड़ की मांग में कमी और साथ ही अपर्याप्त सरकारी सहायता ऐसे कुछ कारण हैं जिन के कारण रबड़ उद्योग में ९० प्रतिशत से अधिक एमएसएमई उद्योग के सामने कारोबार करने की बाधाएं आ रही हैं।

रबड़ उद्योग में एमएसएमई उद्योगों का बहुत कुछ दाव पर है। रबड़ उद्योगों का निर्माण करनेवाली लगभग ६००० यूनिटें, जिनमें से ५५०० यूनिटें एमएसएमई हैं, जो हर वर्ष लगभग ३५००० वेरायटियों का निर्माण करती है, जिसके कारण कठिनाईयां पेश आ रही हैं क्योंकि रबड़ उत्पादों के आयात शुल्क की तुलना में प्राकृतिक रबड़ पर आयात शुल्क अधिक जिससे भारतीय उत्पाद प्रतिस्पर्धा में नहीं ठहरते।

ऐसे वातावरण में निर्माण गुणवत्ता उत्पादकता और लागत में सुधार करने में समूह दृष्टिकोन से सहायता मिलती है। रबड़ उद्योग को छोड़कर अधिकतर अन्य उद्योगों ने इसे अपनाया है। इस प्रकार यह आवश्यक है की रबड़ उद्योग एसोसिएशन और संगठन आगे आए क्योंकि केन्द्र और राज्य सरकारें, दोनों ही ऐसे प्रयासों में सहायता करती हैं। इस दिशा में आईआरएमआरए ने कुछ पहल की हैं, किंतु और ज्यादा किए जाने की जरुरत है।

ऑटोमोटिव उद्योग के बहुत कम निष्पादन से टायरों की मांग कम हो गई है। परिणामस्वरुप टायर कम्पनियों को कम हुई कुल ओईएम मांग के अनुसार अपने उत्पादन में फेरबदल करना पड़ा। आर्थिक मंदी से भी टायरों की सभी श्रेणियों में गौण बाजार में बिक्री कम हुई, फार्म टायरों को छोड़कर, उद्योग को विकास का वातावरण बनने की आशा है।

मुझे यह बताते हुए खुशी है की सुनियोजित दृष्टिकोन से आईआरएमआरए दल ने परीक्षण और प्रमाणन, परीक्षण, परामर्शी सेवा, तरह-तरह की परीक्षण क्षमताओं में वृद्धि करके, और अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की कार्य नीतिपरक और निष्पादन से रबड़ उद्योगों को सहायता देने में अपने अथक प्रयास जारी रखे। इससे वित्तीय रुप से उद्योग की अपनी ही संपोषण योजनाओं पर मंदी के प्रभाव को रोकने में सहायता मिली।

आईआरएमआरए दल भी प्रशंसा का पात्र है जिसने कार्मिक शक्ति की अत्यधिक कमी के बावजूद इस वर्ष अच्छा निष्पादन किया है। मैं इस अवसर पर आईआरएमआरए के दल को रबड़ उद्योग को अपनी उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए बधाई देता हूँ और साथ ही शाशी परिषद के सभी सदस्यों, विभिन्न मंत्रालय और विभिन्न विभागों, विशेष रुप से वाणिज्यिक एवं उद्योग मंत्रालय के प्रतिनिधियों की उन के बहुमूल्य जानकारियों, मार्गदर्शन और निर्देशन की भी तह दिल से सराहना करता हूँ जिससे आगामी वर्षों में आईआरएमआरए सफलता की सीढ़ियां चढ़ेगा।

ड़ॉ. रघुपति सिंघानिया
अध्यक्ष
भारतीय रबड़ निर्माता अनुसंधान संघ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
जे के टायर एण्ड़ इंडस्ट्रीज लिमिटेड

निदेशक द्वारा वार्षिक अहवाल २०१४-२०१५

प्रिय सदस्यगण,

भारतीय रबड़ निर्माता अनुसंधान संघ (आयआरएमआरए) की वर्ष २०१४-१५ की ५६ वी वार्षिक अहवाल मैं आपके सामने पेश कर रहा हूँ ।

आयआरएमआरए का गठन सन १९५९ में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुंसंधान संघठन के रुप में हमारे देश में रबड़ क्षेत्र में बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों और संबद्ध सामग्री को बढ़ावा देने के मुख्य हेतू से किया गया है । आयआरएमआरए सोसायटी पंजीकरण अधिनियम १८६०, के तहत पंजीकृत है और रबड़ उद्योग, और केंद्र के प्रतिनिधियों से मिलकर एक शासी परिषद द्वारा शासित है । यह परिषद केंद्र सरकार एवंम राज्य सरकारों के रबड़ बोर्ड, प्रमुख अनुसंधान और विकास (आर एण्ड डी) प्रतिष्ठान, शैक्षणिक संस्थानों, वाणिज्य एवंम उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्य कर रही है ।

गत ५६ वर्ष की कालावधी में, आयआरएमआरए नें दोनों टायर और गैर टायर क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों में विस्तार करते हुए विश्व में स्वंय को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध संस्थान के समकक्ष अद्वितिय अनुसंधान और विकास “सेंटर ऑफ एक्सीलेंस” के रुप में स्थापित होने का किर्तीमान बनाया है । गत वर्षो में आयआरएमआरए के वैज्ञानिकों द्वारा विकसीत की गई अत्याधुनिक सुविधाओं और विशेषज्ञता का उपयोग रबड़, पॉलिमर, पेंट, रसायन आदी उद्योगों में भारी मात्रा में हो रहा है । परीक्षण और प्रमाणन (टायर और नॉन टायर परिक्षण), प्रशिक्षण, अनुसंधान और उत्पाद विकास, परामर्श और प्रायोजित अनुसंधान के क्षेत्र में अपने मुख्य विशेषज्ञता के अलावा आयआरएमआरए ने रबड़ की संबंद्ध उद्योगों की जरुरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विविध गतिविधियों को बढ़ावा दिया है ।

आयआरएमआरए द्वारा मुख्य रुप से की गई गतिविधियों में से कुछ इस प्रकार हैं ।

- परिक्षण और प्रमाणन ।

- प्रक्रिया और उत्पाद विकास ।
- सामग्री के चयन सह चक्रवृद्धि विकास ।
- रिवर्स इंजिनियरिंग सह उत्पाद विकास ।
- रबड़ इंजिनियरिंग और परिमित तत्व विष्लेषण (एफ .ई .ए .) ।
- संग्रहण और सेवा जीवन भविष्यवाणी ।
- प्रशिक्षण और जनशक्ति कौशल्य विकास ।
- रबड़ पौद्योगिकी एवं प्रयोगशाला प्रबंधन प्रणाली परामर्श सेवाएँ (एल,एम,एस) ।
- गुणवत्ता नियंत्रण / आश्वासन ।
- प्रक्रिया में सुधार / ट्रबल शूटिंग ।
- विफलता विश्लेषन ।
- गुणवत्ता लेखापरिक्षा और जीएमपी सेवाएँ ।

आयआरएमआरए को वैज्ञानिक एवंम औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) भारत सरकार, नई दिल्ली, द्वारा मान्यता दी गई है । इसी के साथ-साथ आयआरएमआरए, एनएबीएल, बीआयएस, आयएसओ (९००१), अंडररायटर्स लेबोरेटरीज (युएसए), सेमीलेक, डीजीएमएस के रुप में ख्याति के कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अधिकरण से प्रमाणन / मान्यताएँ प्रमाणपत्र प्राप्त हूए है ।

आयआरएमआरए के शामिल ग्राहक -:

- सरकार / अर्ध सरकारी, एसें में रक्षा क्षेत्र (भारतीय नौसेना, वायु सेना और आयुध निर्माणीयों) जैसे संगठणों, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, राइट्स, एस.आर.टी.सी. माझगांव डाक्स, बीपीसीएल और एचपीसीएल आदी ।
- जेके टायर, एमआरएफ, सीएट, अपोलो, मिशेलिन, पिरेली, गुड्डयर, ब्रिजस्टोन जैसे प्रमुख टायर कंपनियां ।
- टाटा मोटर्स, मारुती सुजुकी लिमिटेड, महिंद्रा एण्ड महिंद्रा, बजाज ऑटो, आयशर मोटर्स् और ओईएमएस के रुप में मोटर वाहन ।
- जीई (यूएसए), एल एण्ड टी, किर्लोस्कर समूह, ईएलजीआई सौर के रुप में अन्य प्रतिष्ठीत निजी क्षेत्र की कंपनियाँ भी इसमें शामिल है ।

आयआरएमआरए नें गत वर्षो में विश्वसनिय और समय पर सेवा प्रदान करके अपने प्रतिष्ठीत ग्राहकों का विश्वास जीता

है । रिवर्स इंजिनिअरिंग ॲण्ड कंपनीयों द्वारा आवश्यक और निरंतर अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से रचित एवंम कई महत्वपूर्ण रबड़ घटकों के माध्यम से विकसित प्रणाली द्वारा बड़ी सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया है ।

आयआरएमआरए की मुख्य गतिविधियाँ एवंम उपलब्धियों को आपके विशेष अवलोकन हेतू अधिक विवरन के साथ प्रस्तूत कर रहे हैं ।

आर्थिक मंदी के बावजूद आयआरएमआरए ने कुल मिलाकर १७.५८ करोड हासिक किये और खर्च १०.३९ करोड़ रुपये के भीतर रखा है । ०७.१९ करोड और रुपये की अधिशेष के लिए अग्रणी. वित्तिय वर्ष २०१४-२०१५ के लिए १० करोड़ की अधिषेश अग्रणी बचाकर रखी है । सावधानीपूर्वक योजना नियोजन, परिक्षण के निष्पादन एवंम उत्पाद विकास गतिविधियों के परिणामस्वरुप हम परिचालन क्षमता में सुधार प्राप्त करनें में कामयाब हुए है । इसी कारणवश हम दुगनी तेजी से और अत्यंतिक बेहतर तरिके से हमारे ग्राहको को सेवा प्रदान कर रहे है । सुधारित परिचालन क्षमता एवंम कार्यकाल में वृद्धी के माध्यम से बढ़ती इनपूट लागत, ओवरहेड्स और जनशक्ति लागत को नियंत्रित किया गया है । टायर परिक्षण केंद्र घरेलू ग्राहकों के साथ साथ बहुराष्ट्रीय टायर कंपनियों को भी सेवा दे रहा है । इसी के मद्देनजर हमने विदेशी ग्राहकों से बड़े आकार में विदेशी मुद्रा अर्जित की है ।

परीक्षण प्रभागों का निष्पादन

गैर टायर परीक्षा विभाग

गैर टायर परीक्षा विभाग में परीक्षण के स्वरुप के आधारपर निम्नलिखित ३ अलग-अलग खण्ड हैं :-

१. यांत्रिक प्रयोगशाला

२. रासायनिक और उपकरण प्रयोगशाला

३. थर्मल प्रयोगशाला

डॉ. राजकुमार की अध्यक्षता में इस विभाग में १० वैज्ञानिक कार्मिकों का एक दल है जिसकी परीक्षण, पध्दती विकास, पध्दती विधिमान्यकरण और विभिन्न विश्लेषणात्मक उपकरणों की विशेष्ज्ञता है इस विशेष्ज्ञता में गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण, रिवर्स इंजीनियरिंग, विफलता विश्लेष्ण, कच्ची सामग्री विश्लेष्ण, उत्पादपर परीक्षण, प्रतिबंधित घटक परीक्षण, पर्यावरण परीक्षण, ज्वलनशीलता परीक्षण, सीलेंट परीक्षण आदि शामिल हैं। विभाग निरन्तर ग्राहकों को प्रभावी और दक्ष सेवाएं देने की दिशा में ग्राहक सेवा/मार्केटिंग विभाग के साथ मिलकर काम कर रहा है।

प्रमुख उपकरण :

प्रयोगशालाएं निम्नलिखित उपकरणों/उपस्करों से सज्जित हैं।

यांत्रिक प्रयोगशाला	रासायनिक और उपकरण प्रयोगशाला	थर्मल प्रयोगशाला
रबड़ प्रक्रिया विश्लेषक (आरपीए) रिओमीटर (एमडीआर) यूनिवर्सल परीक्षण मशीन मूनी विस्कोमीटर ऑटो कठोरता परीक्षक डीन एबरेडर एयर पारगम्यता परीक्षक टेबर एबरेडर डी- मेटिया फ्लेसिंग मशीन रॉस ठोके मशीन होज बसर्टिंग मशीन ओजोन चैंबर डनलप ट्रीपसोमीटरमियाद समाप्त होते अवन	फोरियर ट्रांसफार्म इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर (एमटीआईआर) एफटीआईआर-एटीआर प्रेरित कपल्ड प्लाज्मा (आईसीपी) सीएचएनएस विश्लेषक जीसी-एफआईडी एचपीएलसी-जीपीसी यूवी विजिबल स्प्रेक्ट्रोस्कॉपी बीईटी सतह क्षेत्र विश्लेषक कण आकार विश्लेषक एक्सआरडी एसईएम-ईडीएस विश्लेषणात्मक संतुलन ब्रुकफील्ड विस्कोमीटर अन्य नम केमिकल परीक्षण सुविधा लौ प्रतिरोधी परीक्षण प्रोपेन गैस परीक्षण सुविधा	थर्मो ग्रेवीमीटरिक विश्लेषक (टीजीए)गतिशील यांत्रिक विश्लेषक (डीएमए) अन्तर स्केनिंग केलोरीमीटर (डीएससी)सर्वो हाइड्रोलिक गतिशील परीक्षण सुविधाएं

नीचे प्रमुख परीक्षण दिए गए हैं जिन्हें नियमित रुप से किया जाता है :

मैकेनिकल लैब	केमिकल लैब	थर्मल लैब
तन्यता गुण ओजोन प्रतिरोध रियोलॉजिकल गुण (आरपीए द्वारा) कठोरता परीक्षण टेबर घर्षण ड्रम घर्षण परीक्षण भार बनाम दिशा परिवर्तन परीक्षण प्रदर्शन का परीक्षण मियाद समाप्त सबंधी अध्ययन मूनी चिपचिपाहट	पॉलीमर पहचान (एफटीआईआर द्वारा) आरओएचएस विश्लेषण (आईसीपी) सीएचएनएस विश्लेषण कच्चे माल का विश्लेषण प्रतिबंधित घटक और विश्लेषण प्रज्वलनशीलता परीक्षण कम तापमान परीक्षण सीलेंट परीक्षण पर्यावरण परीक्षण	रबड़ संरचना विश्लेषण (टीजीए द्वारा) कांच संक्रमण तापमान (डीएससी द्वारा) डीएमए विश्लेषण सर्वो हाइड्रोलिक परीक्षण मियाद भविष्यवाणी मिश्रण अनुपात विश्लेषण प्राकृतिक आवृत्ति सहनशक्ति परीक्षण सुविधा

मार्केटिंग और ग्राहक सेवा केन्द्र

व्यापार विकास/ मार्केटिंग

मार्केटिंग दल व्यापार के नए कार्यकलाप तैयार करने के लिए नियमित रुप से ग्राहकों के पास जाता है। **मार्केटिंग** विभागद्वारा परीक्षण, प्रशिक्षण, परामर्श सेवा और उत्पाद विकास जैसी विशेषज्ञताओं के क्षेत्रों में व्यापार के नए अवसरों का पता लगाया जाता है। यह विभाग आईआरएमआरए

कार्यकल्पों से सबंधित व्यापार की पूछी गई सभी तरह की जानकारी देता है।

हाल ही में आईआरएमआरए के व्यापार को बढ़ाने के लिए विभिन्न स्थानोंपर हितधारकों तथा साथ ही आईआरएमआरए के सदस्यों की कार्यशाला आयोजित करने की नई पहल शुरु की गई है। वित्त वर्ष २०१५-१६ के दौरान भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यशालाएं और सम्मेलन आयोजित किए गए है :-

१) ४ जुलाई, २०१४ को नासिक में हितधारकों की कार्यशाला आयोजित की गई।

२) ६ सितम्बर, २०१४ को बेंगलूरु में हितधारकों की कार्यशाला आयोजित की गई।

३) २१ और २२ नम्बर, २०१४ को दिल्ली में २२ वां आईआरएमआरए रबड़ सम्मेलन आयोजित किया गया।

४) १५ से १७ जनवरी, २०१५ को दिल्ली में आयोजित ८ वें रबड़ एक्पो और टायर शो में भाग लिया।

ग्राहक सेवा केन्द्र

ग्राहक सेवा केन्द्रद्वारा परीक्षण से पहले पूछताछ, परीक्षण उपरान्त सभी कार्यकल्पों में भाग लिया जाता है।

यह विभाग ग्राहक शिकायतों (यदि कोई हो) का भी निपटारा करता है और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली प्रक्रियाओं के अनुसार सुधारात्मक कारवाई करने के लिए उचित स्तरपर मूल कारण का विश्लेषण किया जाता है।

व्यापारसबंधी जानकारियों में भाग लेने के अलावा ग्राहक सेवा और **मार्केटिंग** सेवाद्वारा निम्नलिखित अन्य कार्यकलापों का संचालन किया जाता है। परीक्षण और मूल्यांकन सेवा हेतु कोटेशन भेजना, अवश्यकता अनुसार ग्राहक उनके परीक्षण, विकास के लिए ग्राहक के साथ समझौता ज्ञापनपर हस्ताक्षर करने में सहायता करना, आईआरएमआरए सेवाओं के संबंध में ग्राहकों से फीडबैक लेना, आईआरएमआरए की सदस्यता बढ़ाना, ग्राहक को उत्पाद देने से पहले परीक्षण रिपोटों का सत्यापन करना, यदि जरुरत हो तो परीक्षण की जरुरतों की सेवाएं बाहर से लेना।

गैर टायर विभाग ने वित्त वर्ष २०१४-१५ के लिए निर्धारित लक्ष्य प्राप्त किया है और गत वर्ष की तुलना में २८ प्रतिशत वृद्धि दर्ज की है।

टायर अनुसंधान, परीक्षण और प्रमाणन हेतु उत्कृष्टता - केन्द्र

परीक्षण और प्रमाणन

यह केन्द्र विभिन्न राष्ट्रीय और आंतरराष्ट्रीय टायर निर्माताओं, ऑटोमोटिव ओईएमएस, ग्राहकों, बीआईएस, एसआरटीयूएस, औद्योगिक क्षेत्रों से प्राप्त ऑटोमोटिव टायरों के परीक्षण और प्रमाणन में कार्यरत है। इसकी शुरुआत से विश्व भर में १०० से अधिक ग्राहकों के लिए अलग-अलग आकार के ३००० से ज्यादा टायरों का परीक्षण किया गया है।

इस समय इस केन्द्र में राष्ट्रीय और आंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार २/३ पहियों, यात्री कार और वाणिज्यिक वाहनों के परीक्षण की सुविधाएं उपलब्ध हैं। उपलब्ध परीक्षण सुविधाओं में उच्च गति निष्पादन परीक्षण, विभिन्न क्षमताओं का सहनशीलता परीक्षण, प्लंजर परीक्षण, बीड़ अनसिटिंग परीक्षण, गतिशील वृध्दि परीक्षण, कठोरता और डिजिटल फुटप्रिंट मापन शामिल हैं।

टायर प्रौद्योगिकी अनुसंधान और विफलता जांच :-

परीक्षण के अलावा, इस केन्द्र में टायर शीयरोग्राफी मशीन, घुमाव प्रतिरोध मशीन, फुटप्रिंट और कठोरता माप उपकरण, टायर प्रौद्योगिकी पर अनुसंधान करने के लिए टायर कटिंग मशीन, टायर सामग्री और सेना हवाई जहाज टायर जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। केन्द्र ने विभिन्न भारतीय वायु सेना स्टेशनों से प्राप्त सेना हवाई जहाज टायरों की ३ दोष जांच का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया है।

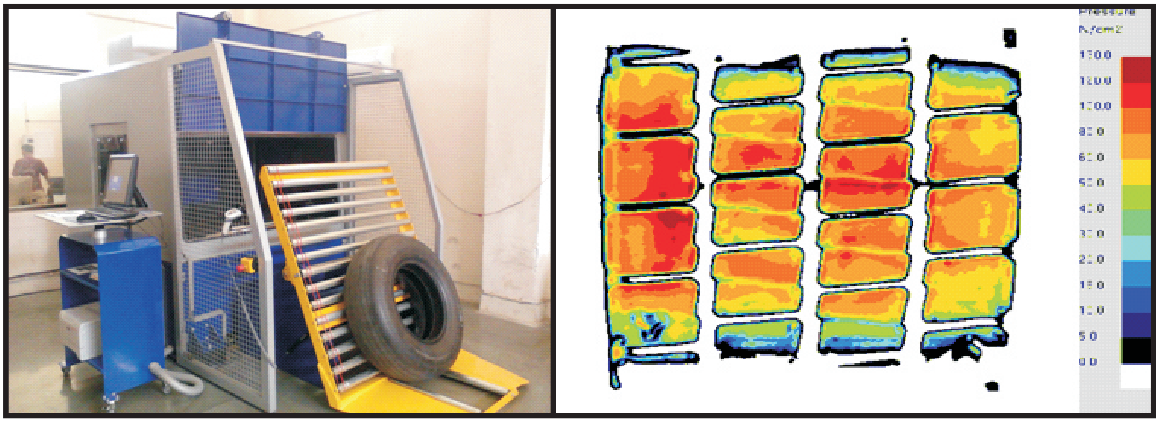

टायर घुमाव प्रतिरोध माप हेतु विशिष्ट सुविधा

इस केन्द्र में उपलब्ध घुमाव प्रतिरोध परीक्षण सुविधा का उपयोग, ऑटोमोटिव वाहनों में प्रयुक्त अपने टायरों की इंधन दक्षता दर्शानें के लिए प्रमुख ऑटोमोटिव ओईएम और अग्रणी टायर निर्माताओं द्वारा किया जा रहा है। किफायत के संबंध में राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए यह केन्द्र यात्री कार और वाणिज्यिक वाहन टायरों के घुमाव प्रतिरोध मान के अध्ययन में भी कार्यरत है।

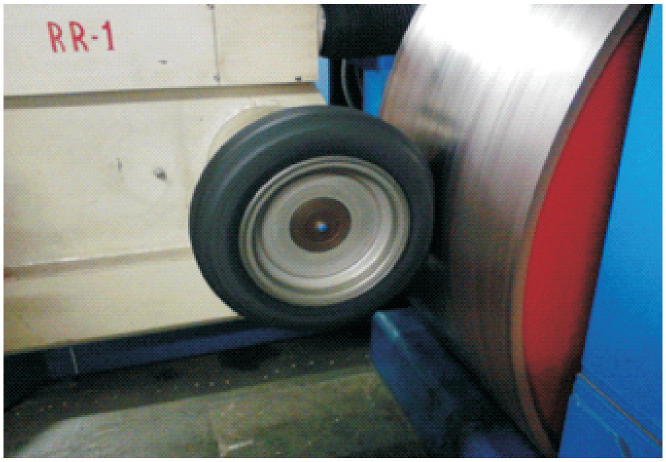

मानकीकरण :-

परिवहन इंजीनियरिंग विभाग (टीईडी७), बीआईएस, का सदस्य होने के नाते, आईआरएमआरए ने आंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरुप संगत मानकों में इस पैरामीटर को समाविष्ट करने के लिए घुमाव प्रतिरोध पर इस अध्ययन के माध्यम से मौजूदा मानकों में सुधार करने और टीईडी७ के समिति सदस्यों के साथ डाटा साझा करने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

अनुसंधान एवं उत्पाद विकास :

आईआरएमआरए में अनुसंधान एवं उत्पाद विकास के लिए सुसज्जित बुनियादी ढ़ांचा उपलब्ध है। उत्पाद विकास केन्द्र में इंजेक्शन मोल्डिंग मशीनें, वैक्यूम कॉम्प्रेशन मोल्डिंग प्रेस, बैनबरी मिक्सर, विभिन्न आकार की दो रोल मिल, हाइड्रोलिक प्रेस, सर्वो हाइड्रोलिक मशीन आदि शामिल हैं।

गैर टायर परीक्षण विभाग में उपलब्ध रिवर्स इंजीनियरिंग परीक्षण सुविधाओं का इस्तेमाल गुणवत्ता नियंत्रण, उत्पाद परीक्षण, और विधि मान्यकरण प्रयोजनों के लिए किया जाता है।

कार्यकलाप/अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं :

आईआरएमआरए ने उत्पाद विकास और इसे ग्राहक को सप्लाई करने का काम किया। इस वर्ष के दौरान के कुछ महत्वपूर्ण उत्पाद नीचे दिए गए हैं :-

रबड़ धौंकनी

केपीएम २५० मीटर छल्लें

सिलिकॉन धौंकनी

ऑक्सीजन मास्क

रबड़ दस्तानें

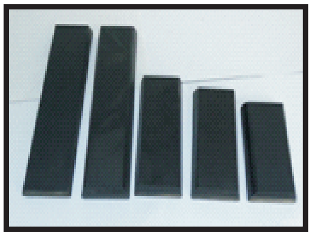

पूरी लम्बाईवाला रबड़

केआरएम - २/२ और २/४

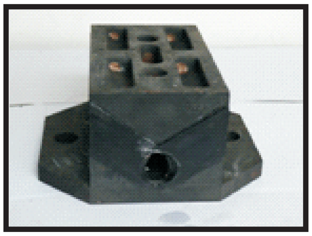

डीपीवाई - ९०० प्प्

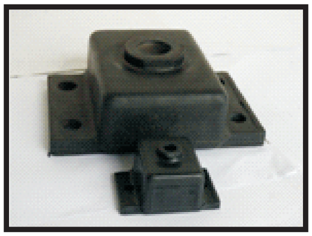

एकेसीसी माउंट

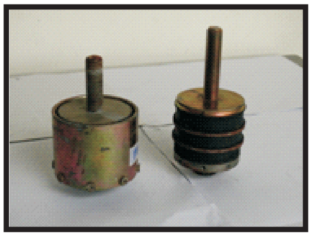

रबड़ आईसोलेटर

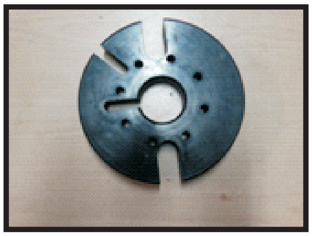

शोक ऑबजोवर

न्यूमेटिक माउंट

उपरोक्त के अलावा, कुछ और विकसित महत्वपूर्ण है: सभी प्रकार की पनडुब्बियों के लिए डीजल इंजन के लिए उच्च दाब वाली सिलेंडर नुमा सील, नौसेना उपयोग हेतु छत्त आकार का सीलिंग सेट, हवाई उपयोग (पायलट ऑक्सीजन एवं श्वसन प्रणाली), के लिए रबड़ मध्यपट, पनडुब्बी के लिए सिलेंडरनुमा शॉक ऑबर्जबर, ग्राहक छोरपर स्लाइसिंग मशीन और वायु फैलाव मशीन, नौसेना उपयोगों के लिए रबड़ गोंद, विकिरण उपयोगों हेतु पॉलीयूरेथेन बूटिंग, रक्षा विभाग के लिए केपयुक्त लेटेक्स मोल्ड बैग।

औद्योगिक परामर्शी सेवा परियोजनाएं (ऑइकॉन) :

लघु और मध्यम स्तर के रबड़ और संबध्द उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए आईआरएमआरए ने औद्योगिक परामर्शी सेवा विंग (ऑइकॉन) शुरु किया जिसमें बहुत कम प्रभारोंपर विभिन्न औद्योगिक परामर्शी सेवा परियोजनाएं शुरु की गई हैं। इस विंग से मध्यम लघु सूक्ष्म क्षेत्र बहुत लाभान्वित होते हैं।

आईआरएमआरए द्वारा आयोजित प्रशिक्षण और कार्यशालाएं

रबड़ प्रौद्योगिकी संबंधी प्रशिक्षण

आईआरएमआरए, प्रशिक्षण और कार्मिक शक्ति विकास कार्यकलापों के भाग के रुप में रबड़ और संबद्व उद्योग के लिए रबड़ प्रौद्योगिकी संबंधी प्रशिक्षण आयोजित करता है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में रबड़ उद्योग में आजिविका शुरु करनेवाला कोई भी नया व्यक्ति, मालिक, नए उद्यमी, गुणवत्ता नियन्त्रण इंजीनियर, तकनीक इंजीनियर, सुपरवाइजर, निरीक्षक, लेखा परीक्षक भाग लेते हैं।

यह विभाग निम्नलिखितपर प्रशिक्षण पाठयक्रम आयोजित करता है :-

- **रबड़ उत्पादों को यौगिकीकरण और परीक्षण,**
- **रबड़ उत्पादों की रिवर्स इंजीनियरिंग और मियाद अनुमान,**
- **ऑटोमोटिव रबड़ उत्पादों के निरीक्षण और परीक्षण से गुणवत्ता आश्वासन**
- **मोल्ड किए हुए रबड़ उत्पादों का यौगिक डिजाइन और परीक्षण**
- **रबड़ उत्पादों का प्रसंहकरण, भौतिक और रसायनिक परीक्षण**

इस विभागने उपरोक्त उल्लेखित पाठयक्रम शीर्षकों पर ६ तकनीकी कार्यक्रम आयोजित किए हैं। उपरोक्त पाठयक्रमों में आरडीएसओ, रक्षा, राइटस, ओएनजीसी जैसे सरकारी संगठनों और टायर उद्योगों, ऑटोमोटिव ओईएमएस ने उपरोक्त पाठक्रमों में भाग लिया है। १०० से अधिक उम्मीदवार प्रशिक्षित हुए और उन्होंने अपने-अपने कामों के कौशलों में सुधार किया। उम्मीदवारों ने अध्ययन सामग्री की विषय वस्तु, प्रस्तुति, संचार की पर्याप्तता, कार्यविधि, विषयों की प्रांसगिकता, स्थल तथा खान-पान व रहने की सुविधा सहित प्रशासनिक प्रबंधों के बारे में अपनी फीडबैक दी है।

संकाय के साथ सम्मेलन कक्ष में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण

विभागने अगस्त, २०१४ में रबड़ उत्पादों के यौगिकीकरण व परीक्षण पर प्रशिक्षण पाठयक्रम आयोजित किया और २६ प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया।

प्रतिभागीयों सहित श्री. नितिश के. शुक्ला सहाय्यक निदेशक और पाठ्यक्रम समन्वयक

आईआरएमआरए के प्रशिक्षण कार्यक्रम में विदेशी प्रतिभागी आकर्षित होते हैं :

आईआरएमआरए ने रबड़ प्रोद्योगिकीपर अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों को भी आकर्षित किया। नवम्बर, २०१४ के दौरान मलेशियाई रबड़ बोर्ड के प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण पाठयक्रम में भाग लिया। भावी प्रशिक्षण पाठयक्रमों के लिए इस कार्यक्रम की काफी सराहना की गई।

श्री नीतीश के. शुक्ला, सहायक निदेशक एवं पाठ्यक्रम समन्वयक के साथ मलेशियाई रबड़ बोर्ड से प्रतिभागियों सहित प्रतिभागियों का प्रशिक्षण

<u>**मांग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम**</u>

विभाग संगठन के मानव संसाधन व तकनीकी दल के साथ प्रारंभिक बातचीत के आधारपर ग्राहक की अपेक्षाओं के अनुसार पाठयक्रम की विषय वस्तु भी तैयार करता है। इस प्रकार तदनुसार अगस्त, २०१४ में अन्य रुप से ओएनजीसी के कार्मिकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

श्री नीतीश के. शुक्ला, सहायक निदेशक एवं पाठयक्रम समन्वयक के साथ ओएनजीसी के कार्मिकों ने आईआरएमआरए में मांग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

<u>**प्रयोगशाला प्रबंधन प्रणाली संबंधी प्रशिक्षण**</u>

तकनीकी प्रशिक्षण पाठयक्रमों के अलावा, विभाग **आईएसओ/आईईसी १७०२५:२००५** के अनुसार प्रयोगशाला प्रबंधन प्रणालियों से संबंधित प्रशिक्षण पाठयक्रम चलाने में भी सहायता करता है। प्रयोगशाला की गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली की निगरानी करने और उसमें सहायता करने में कार्यान्वियन की प्रभावकारिता वास्तव में प्रयोगशाला के पर्यवेक्षक स्टाफ अर्थात गुणवत्ता प्रबंधक एवं तकनीकी प्रबंधक की सक्षमतापर निर्भर करता है।

इस मुद्देपर बल देने और फोकस करने के उद्देश्य से एनएबीएलने यह अनिवार्य बनाया है की नवम्बर, २०१२ से एनएबीएल प्रत्यायित प्रयोगशालाओं में कार्यरत/प्रत्यापन के लिए आवेदन करनेवाले गुणवत्ता प्रबंधक, आईआरएमआरए जैसे प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थानद्वारा आयोजित **आईएसओ/आईईसी १७०२५:२००५** संबंधी ४ दिवसीय प्रशिक्षण पाठयक्रम पूरा करें। इस ४ दिवसीय पाठयक्रम से वरिष्ठ प्रयोगशाला स्टाफ को अपनी ही प्रणाली का मूल्यांकन करने तथा अपनी ओर से एनएबीएल मूल्यांकनकर्ताओं की प्रत्यायन अपेक्षाओं के पालन से बचने के लिए आन्तरिक गुणवत्ता लेखा परीक्षा की तकनीकों को समझने में भी सहायता मिलेगी।

आईएसओ/आईईसी १७०२५:२००५ और आन्तरिक लेखा परीक्षा के अनुसार, सभी गुणवत्ता प्रबंधक और अन्य वरिष्ठ प्रयोगशाला कार्मिकों, जिनके प्रत्यायित प्रयोगशालाओं के तकनीकी प्रबंधकों सहित गुणवत्ता प्रबंधकों की जिम्मेदारी का निर्वहन करने की संभावना है, एलएमएस संबंधी ४ दिवसीय प्रशिक्षण पाठयक्रम में भाग लेते हैं। विभाग ने प्रत्येक कार्यक्रम में २० उम्मीदवारों की प्रतिभागिता के साथ आईआरएमआरए, ठाने में एलएमएस संबंधी निर्धारित प्रशिक्षण पाठयक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

श्री अनिल रेलिया, निदेशक, एनएबीएल, डॉ. के. राजकुमार निदेशक, आईआरएमआरए और श्री एस. सुब्रामणियम के साथ प्रवीणता प्रदात्ता मूल्याकनकर्ता द्वारा प्रतिभागियों का प्रशिक्षण

आईआरएमआरए सुसज्जित केन्द्रों ने पश्चिमी क्षेत्र में अत्यधिक विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए **राष्ट्रीय परीक्षण एवं मापांकन प्रत्यायन बोर्ड प्रयोगशालाओं (एनएबीएल)** को आकर्षित किया और तदनुसार जुलाई और अक्तूबर, २०१४ में आईआरएमआरए में क्रमश: प्रयोगशाला मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षण एवं प्रवीणता परीक्षण प्रदाता मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षण पाठयक्रम आयोजित किए गए। श्री अनिल रेलिया, निदेशक, एनएबीएल ने राष्ट्रीय महत्व के उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायता करने के लिए निदेशक, आईआरएमआरए द्वारा की गई पहल और दी गई वचनबद्धता के लिए उनकी और पूरे दल की सराहना की।

कार्यशाला और सेमिनार

आईआरएमआरए जुलाई व अक्तूबर, २०१४ में नासिक और बेंगलूरु में सफलतापूर्वक दो कार्यशालाएं आयोजित की।

सम्मेलन

आईआरएमआरए का २२वां रबड़ सम्मेलन

आईआरएमआरए ने २१ से २२ नवम्बर, २०१४ तक इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में "**इलेस्टोमीरिक सामग्रियों**, तकनीकों में उभरते रुझान और सम्पोषणीय विकास के लिए टायर प्रौद्योगिकी" पर २२ वां रबड़ सम्मेलन आयोजित किया।

इस सम्मेलन में रबड़ और सबंद्ध उद्योगों में नवीनतम अनुसंधान एवं विकास कार्यकल्पों, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थानोंपर फोकस था और सम्पोषणीय विकास सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयास में पर्यावरण हितैषी सामग्रियों और तरीकों का इस्तेमाल करके हरित विश्व विकसित करने में रबड़ और इलेस्टोमर जगत के हाल के योगदानों पर प्रकाश डाला गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य एक तकनीकी बौद्धिक पूल जुटाना और अधिक स्वस्थ और अधिक हरित भविष्य तैयार करने के संबंध में वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, शिक्षाविदों, उद्योगविदों और पर्यावरणविदों की अवधारणाओं और विचारों के आदान- प्रदान में सहायता करना था। इसमें प्रसंस्करण और योगिकीकरण, उपस्करण, परीक्षण विधियों तथा विधिमान्यकरण प्रक्रियों के सबंध में सुधारों और अभिनव प्रयासोंपर भी प्रकाश डाला गया।

**सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि
श्री. अभिताभ कांत, आईएएस, सचिव, औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (डीआईपीपी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। इस अवसर पर सम्मानीय अतिथि, रीयर अडेमिरल ए. के. दत्ता, श्रीमती शुभ्रा सिंह, संयुक्त सचिव, डीआईपीपी उपस्थिति थे। आईआरएमआरए के अध्यक्ष एवं जेके टायर्स के डॉ. रघुपति सिंघानिया ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया।**

२२ वें रबड़ सम्मेलन में मंच पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में एक समारिका का विमोचन किया गया।

२२ वां रबड़ सम्मेलन, जिसमें आईआईटी के प्रख्यात शिक्षाविदों और अनुसंधान एवं विकास के विभिन्न प्रतिष्ठानों और उद्योग जगत के वैज्ञानिकों ने भाग लिया, रबड़ और संबद्ध सामग्रियों पर निर्माण और अनुसंधान के भविष्य पर विचार-विमर्श करने के लिए एक सहायक मंच सिद्ध हुआ है। अनेक विचार-विमर्शो में यह बात उभर कर आई की रक्षा, ऑटोमोटिव, रेल क्षेत्रों से भाग लेने वाले प्रतिभागियों के बीच बातचीत के बाद यह देखने में आया कि इन क्षेत्रों में नए अनुसंधान और विकास की जरुरत है।

सम्मेलन में उपस्थिति प्रतिनिधियों के साथ पैनल के सदस्यों ने "रेल सामग्रियों और उत्पादों से संबधित वैश्वि मुद्दें विषय पर उत्तम विचार-विमर्श किया।

सम्मेलन में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों से २१ विशेष प्रतिष्ठित वक्ताओं को आमंत्रित किया गया जिनमें शैक्षिक संस्थानों, उद्योग और रक्षा प्रतिष्ठिनों के वक्ते शमिल थे।

आईआरएमआरए ने सम्मेलन में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ प्रथम और द्वितीय तकनीकी पेपरों के लिए क्रमशः रु. ३००००/- और रु. २००००/- के पुरस्कार की घोषणा की।

निदेशक ने सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार के द्वितीय पुरस्कार विजेता को सम्मानित किया।

गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली विभाग

इस विभाग की आंतरराष्ट्रीय स्तर के गुणवत्ता मानकों का कार्यान्वयन करने और उन्हें बनाए रखने में मुख्य भूमिका है ताकि पूरे विश्व में आईआरएमआरए के परीक्षण प्रमाण पत्रों को वैध स्वीकार किया जा सके और साथ ही यह विभाग ऑटोमोटिव टायरों और टयूबों के लिए जारी गुणवत्ता आदेश का प्रभावी कार्यान्वयन करने में भारत सरकार की सहायता भी करता है। टायर परीक्षण और गैर टायर परीक्षण सुविधा के साथ इस विभाग में आंतरराष्ट्रीय स्तर के निम्नलिखित गुणवत्ता मानक हैं :

- **आईएसओ/आईईसी १७०२५:२००५ -मशीनी और केमिकल परीक्षण के लिए एनएबीएल प्रत्यायन**
- **आईएसओ ९००१:२००८ प्रमाणन**
- **ऑटोमोटिव टायरों, रबड़ होजो, एलपीजी टयूब, रबड़ के हाथ दस्तानों, प्रेशर कुकर के गास्केटों, ऑटोमोटिव टयूब आदि जैसे विभिन्न उत्पादों के लिए परीक्षण सुविधा हेतु बीआईएस मान्यता**
- **सीईएमआईएलएसी**
- **डीएसआईआर**
- **डीजीएमएस**

विभाग के कार्यकल्प, प्रणालियों, उत्पादों और ग्राहकों को दी गई सेवा के निष्पादन में निरन्तर सुधार सुनिश्चित करना है। विभाग यह भी सुनिश्चित करता है की प्रवीणता तथा अन्तर प्रयोगशाला तुलना परीक्षण कार्यक्रम में सहभागिता से आंतरराष्ट्रीय मानकों की अपेक्षा को पूरा करने के लिए प्रयोगशाला की सक्षमता बनाए रखी गई है।

६२ वें आईएसओ/टीसी ४५ की बैठकों में सहभागिता :

हमारे वैज्ञानिक बीआईएस और आईएसओ की बैठकों में नियमित रुप से सहभागिता करते है और राष्ट्रीय तथा आंतरराष्ट्रीय स्तरों पर मानक विकसित करने में योगदान देते हैं।

बीआईएस की ओर से श्री कंसारा की अध्यक्षता में १० सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमण्डल ने ३ से ७ नवम्बर, २०१४ के दौरान केपटाउन, दक्षिण अफ्रिका में आयोजित ६२ वें आईएसओ टीसी ४५ बैठक में भाग लिया है।

निम्नलिखित सदस्यों ने बैठक में भाग लिया है।

१.	श्री. एन. कंसारा, बीआईएस	प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष (भारत)
२.	डॉ. के. राजकुमार, आयआरएमए	प्रतिनिधिमंडल सदस्य
३.	श्री. एन. राजगोपाल, रबड़ बोर्ड,	प्रतिनिधिमंडल सदस्य
४.	श्रीमती नवीता यादव, बीआईएस	प्रतिनिधिमंडल सदस्य
५.	डॉ. आर.के. मथान, रेवर्टेक्स,	प्रतिनिधिमंडल सदस्य
६.	डॉ. सैकत दासगुप्ता, एचईएसईटीआरआई	प्रतिनिधिमंडल सदस्य
७.	श्री मेहुल पटेल, जीआरपी लिमिटेड,	प्रतिनिधिमंडल सदस्य
८.	श्री कल्याण दास, जीआरपी लिमिटेड,	प्रतिनिधिमंडल सदस्य
९.	डॉ. अरुण के. चंद्रा, अपोलो टायर्स लिमिटेड	प्रतिनिधिमंडल सदस्य
१०.	श्री सनी सीबेस्टिन, तकनीकी विशेषज्ञ (बीआईएस द्वारा प्रायोजित)	प्रतिनिधिमंडल सदस्य

विनिर्देशन तैयार करने के लिए विचार-विमर्श में भाग लेने और संकल्प पारित करते समय, भारतीय विशेषज्ञों ने भारतीय उद्योगों की क्षमता और विनिर्देशन का पालन करने में उनकी योग्यता को ध्यान में रखते हुए अपने राष्ट्रीय हित का बचाव किया। भारत ने रबड़ उद्धार, प्राकृतिक रबड़ में अपशिष्ट गैर रबड़ मात्रा के निर्धारण, और लेटेक्स उत्पादों, और होज के आईएसओ : ८७८९ विनिर्देशन के संशोधन के लिए न्यूयार्क मद प्रस्ताव (एनडब्ल्यूआईपी) के तहत मानक तैयार करने के लिए प्रयोजना नेतृत्व भूमिका ली है।

अंतर प्रयोगशाला परीक्षण कार्यक्रम (आईटीपी) में सहभागिता

एनएबीएल का दायरा बढ़ाकर ८० परीक्षण किया गया है, और वास्तविक प्रयोक्ताओं की मांग के अनुसार विभिन्न रबड़ उत्पाद परीक्षणों को एनएबीएल के दायरे में लाया गया है। रबड़ उद्योग की उभरती मांग को पूरा करने के लिए पॉलीसिक्लिक ऐरोमेटिक हाईड्रोकार्बन, नाइट्रोसेमाइन और फथेलेट एयटर आदि जैसे प्रतिबंधित घटक परीक्षण का दायरा बढ़ाया गया। कृत्रिम वातावरण में क्षरण परीक्षणों (आईएसओ ९२२७), ऑक्सीजन सूचकांक परीक्षण सीमित करने जैसे विभिन्न तरीकों को शामिल करके प्रज्वलनशीलता परीक्षण, पर्यावरणीय परीक्षण और कम तापमान परीक्षण का दायरा बढ़ाया गया है। सभी विश्व व्यापी प्रतिष्ठित रबड़ परीक्षण प्रयोगशाला के साथ उत्कृष्ट सहसंबंध से कंसटोफ इंका. जर्मनी द्वारा आयोजित प्रवीणता परीक्षण में सफलतापूर्वक भाग लिया और रबड़ परीक्षण के लिए भारत में सबसे उत्कृष्ठ सक्षम प्रयोगशाला का दर्जा प्राप्त किया। गैर टायर परीक्षण विभाग ने विभिन्न अन्य प्रयोगशालाओं द्वारा आयोजित इंटरलैब तुलना कार्यक्रम में भाग लिया और निष्पादन बहुत संतोषजनक पाया गया और 9जेड9 का दर्जा प्राप्त करना क्षमता के काफी करीब है। गैर टायर और टायर परीक्षण, दोनों हमेशा ग्राहक की मांगों के अनुसार नई परीक्षण सुविधाएं, नवीनतम उपस्कर, नवीनतम परीक्षण सुविधाएं शामिल करके और विभिन्न राष्ट्रीय और आंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा आयोजित प्रवीणता परीक्षण, अंतर प्रयोगशाला परीक्षण में सहभागिता द्वारा ग्राहकों का आत्मविश्वास बढ़ाकर बहुमूल्य ग्राहकों को सहायता करते हैं।

नियमित इंटरलैब तुलना कार्यक्रम के अलावा, आईआरएमआरए जर्मनीद्वारा आयोजित प्रवीणता परीक्षण (पीटी) कार्यक्रम में भी सहभागिता करता है और निष्पादन संतोषजनक पाया गया है।

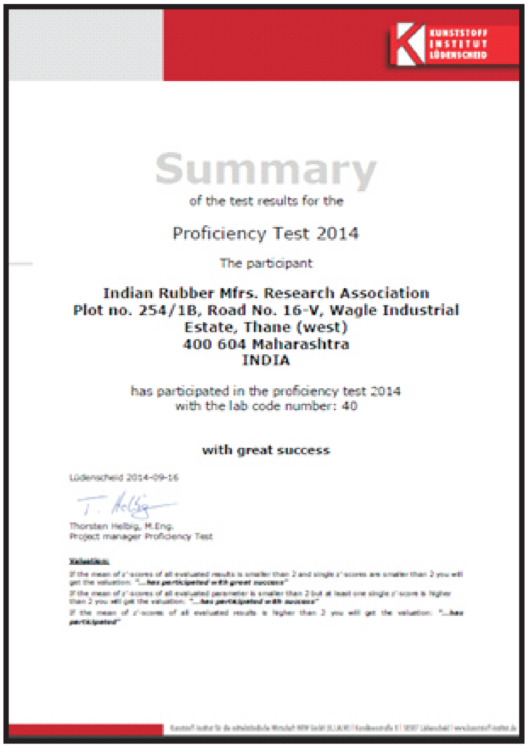
KUNSTSTOFF INSTITUT LÜDENSCHEID

Summary
of the test results for the
Proficiency Test 2014
The participant
Indian Rubber Mfrs. Research Association
Plot no. 254/1B, Road No. 16-V, Wagle Industrial
Estate, Thane (west)
400 604 Maharashtra
INDIA
has participated in the proficiency test 2014
with the lab code number: 40

with great success

Lüdenscheid 2014-09-16

Thorsten Helbig, M.Eng.
Project manager Proficiency Test

जर्मनी के आंतरराष्ट्रीय प्रवीणता परीक्षण प्रदात्ता से प्राप्त प्रमाण पत्र

राष्ट्रीय / आंतरराष्ट्रीय जर्नलों में तकनीकी पेपरों का प्रकाशन :

आंतरराष्ट्रीय जर्नलों में निम्नलिखित तकनीकी पेपर भेजें गए है और उन्हें प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया है :

१. उध्दारशुदा ईपीडीएम/पुन: उपयोग किए गए पीपी मिश्रणों पर नारियल गुद्दे के प्रभाव पर अध्ययन पॉलीमर पर अनुसंधान एवं अबिथा वी के, के राजकुमार, पी. थावामणी समीक्षाएं आरआरपीएल, ५ (२), २०१४, ४९-५५

२. तन्यता और कठोरता मापों द्वारा स्टाइरीन बुटाडीन का जैवनिम्नीकरण पर नारियल जटा का प्रभाव पॉलीमर पर अनुसंधान एवं अबिथा वी के, के राजकुमार, समीक्षाएं, मार्च, २०१५

राष्ट्रीय / आंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में तकनीकी पेपरों की प्रस्तुति :

विभिन्न राष्ट्रीय / आंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में निम्नलिखित पेपर प्रस्तुत किए गए :

श्री के राजकुमार ने २५ से २६ अप्रैल, २०१४ तक एआईआरआईए-एनआर, दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय रबड़ सम्मेलन, एनआरसी २०१४, दिल्ली में रिवर्स इंजीनियरिंग - रबड़ उत्पादों की विफलता जांच और गुणवत्ता सुधार का एक साधन पर पेपर प्रस्तुत किया।

श्री के राजकुमार ने १३ से १४ जून, २०१४ तक एआईआरआईए-एएआर, चेन्नई में आयोजित राष्ट्रीय रबड़ सम्मेलन, एनआरसी २०१४, चेन्नई में ऑटो भाग पर फोकस के साथ रबड़ उद्योग में परीक्षण विधियां और मानक पर पेपर प्रस्तुत किया।

श्री नीतीश के शुक्ला, सहायक निदेशक, सचिन बर्वे, वैज्ञानिक अधिकारी ने आईआरएमआरए द्वारा दिसंबर, २०१४ में आयोजित २२ वें रबड़ सम्मेलन में वैश्विक टायर में उभरते रुझान-सम्पोषणीय विकास के विनियम पर पेपर प्रस्तुत किया।

<u>आईआरएमआरए वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण और सम्मेलनों में सहभागिता/किए गए दौरे</u> :-

श्री नीतीश के शुक्ला, सहायक निदेशक ने :-

i. एचएएसईटीआरआई के सहयोग से आईआईटी पटना द्वारा २६ मई, २०१४ को आयोजित रबड़ उत्पादों की रिवर्स इंजीनियरिंग-साधनों और तकनीकोंपर आंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

ii. एनएबीएलद्वारा २८ जुलाई से १ अगस्त, २०१४ तक आयोजित आईएसओ/आईईसी १७०२५:२००५ के अनुसार मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षण पाठयक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

श्री सचिन बर्वे, वैज्ञानिक अधिकारीने रबड़ प्रौद्योगिकी केन्द्र, आईआईटी, खड़गपुरद्वारा जुलाई, २०१४ में आयोजित डीआईआरआई परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी की।

श्री मोहमद अनीश ने :-

i. इंडिगनेशन के लिए तकनीकी चर्चा २४६ विशेष टायर मदों के लिए ०२.०६.२०१४ को डीएमडीई सिकंदराबाद का दौरा किया।

ii. माउंटों, धोकनी, आईएनएस विक्रमादित्य के लिए सिलिंग गास्केट जैसी रबड़ की विभिन्न प्रकार की मदों पर चर्चा हेतु १६.०७.२०१४ को नेवल बेस कारवाड का दौरा किया।

iii. २० और २१ नवंबर, २०१४ दिल्ली में आयोजित आईआरएमआरए रबड़ सम्मेलन में भाग लिया।

iv. हवाई जहाज उपयोग हेतु पायलेट ऑक्सीजन और श्वसन प्रणाली में प्रयोग हेतु विभिन्न प्रकार की रबड़ मदों पर चर्चा हेतु १९.०१.२०१५ को एचएएल लखनऊ का दौरा किया।

v. रबड़ और प्लास्टिक मिश्रित रेल स्लीपर के विकास हेतु अनुसंधान परियोजना प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए २०.०१.२०१५ को आरडीएसओ लखनऊ का दौरा किया।

श्री राजकुमारने रबड़ उत्पादों में बीआईएस आधारित मात्रा के निर्धारण पर मानक का विकास करने के लिए जुलाई, २०१४ के दौरान जापान का दौरा किया।

औद्योगिक अनुसंधान और विकास के लिए शैक्षिक संस्थानों के साथ सहयोग

मानव संसाधन विकास कार्यक्रम के तहत आईआरएमआरए औद्योगिक/शैक्षिक सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रमों में सहायता कर रहा है जिससे रबड़ प्रौद्योगिकी पर विभिन्न संस्थानों के अवर स्नातक और स्नातकोत्तर पाठयक्रमों के लिए शैक्षिक औद्योगिक परियोजनाओं द्वारा ये संस्थान लाभान्वित हुए। निम्नलिखित संस्थानों ने वर्ष २०१४-१५ के दौरान रबड़ प्रौद्योगिकी पर शैक्षिक अनुसंधान कार्य कार्यक्रम के तहत आइआरएमआरए में अपने छात्र भेजें हैं।

क्रम संख्या	संस्थानों के नाम	छात्रों की संख्या	पाठयक्रम
०१	एनआईटी, कर्नाटक	२	एम. टेक (सामग्री विज्ञान एवं इंजीनियरिंग)
०२	एमजी युनिवर्सिटी, केरला	३	बी. टेक (पॉलीमर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)
०३	शिवाजी राव जोंधले कॉलेज, मुम्बई	३	बी. ई. (केमिकल)
०४	एमआईटी, औरंगाबाद	२	एम. टेक (पॉलीमर)

सभी छात्रों ने अपनी परियोजनाएं पूरी कर ली हैं और संबंधित संस्थान के संकाय ने उनके छात्रों के लिए हमारी सहायता का आभार व्यक्त किया है।

आईआरएमआरए में आयोजित समारोह :

हमारे मानव संस्थान और प्रशासन विभाग ने अपने कर्मचारियों के कल्याण का हमेशा ध्यान रखा है और विभिन्न समारोह आयोजित किए क्योंकि ये हमारी परिसम्पत्तियां हैं और इनमें से अनेक ने आईआरएमआरए में कई वर्षों तक सेवा की है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

परम्परा के स्वरुप में हमारे कर्मचारियों ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस मनाया और राष्ट्रीय गीत गया और एक दूसरे को स्वतंत्रता दिन की बधाई दी। इसके बाद सभी कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य सक्रिय रुप से शामिल हुए।

दशहरा समारोह

आईआरएमआरए ने दशहरा का त्योहार मनाया। आईआरएमआरए के सभी कर्मचारियों ने विजय दशमी समारोह में सक्रियता से भाग लिया।

स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम

भारत सरकार के निदेश के अनुसार आईआरएमआरए ने २ अक्तूबर, २०१४ को स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम मनाया। सभी कर्मचारी प्रात: ९.४५ बजे एकत्रित हुए और मंत्रालयद्वारा परिचालित स्वच्छता की शपथ ली। इसके बाद सभी कर्मचारी परिसरों, प्रयोगशालाओं, कार्यस्थलों, कार्यशालाओं आदि के बाहर और अंदर की सफाई के लिए एक साथ निकल पड़े।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाना

केन्द्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार के निदेशक के अनुसार, आईआरएमआरए ने २७ अक्तूबर, २०१४ से १ नवंबर, २०१४ तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह - २०१४ मनाया। सतर्कता जागरुकता सप्ताह के प्रारंभ में २८ अक्तूबर, २०१४ को प्रात: ११.०० बजे मंत्रालय द्वारा परिचालित शपथ ली। सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाने का विषय भष्ट्राचार से लड़ाई - प्रौद्योगिकी एक सहायक साधन था।

हमारा आभार और सराहना :

हम, प्रशासन एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव, डीआईपीपी, संयुक्त सचिव, डीआईपीपी, उप सचिव, डीआईपीपी, अवर सचिव, डीआईपीपी तथा विभागीय अधिकारियों का अत्याधुनिक केन्द्रों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने और टायर और गैर टायर, दोनों क्षेत्रों के लिए आईआरएमआरए को विश्व के सर्वाधिक प्रख्यात आरएनडी संस्थानों में से एक संस्थान बनाने में उनके प्रशासनिक सहयोग के लिए आभारी हैं।

हम अपने अध्यक्ष डॉ. रघुपत्ति सिंघानिया, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, जे. के. टायर्स लिमिटेड, का अपने व्यस्तम कार्यक्रम में से समय निकाल कर आईआरएमआरए का मार्गदर्शन करने और उसे सहायता करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

हम अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी), एचआर समिति, खरीद समिति और वित्त समिति का वर्ष के दौरान उनके द्वारा दिए गए बहुमूल्य मार्गदर्शन और सहायता के लिए हार्दिक धन्यवाद करते हैं।

हम अपनी शासी परिषद के सभी सदस्यों का उनकी सलाह और मार्गदर्शन के लिए, अपने ग्राहकों और सदस्यों का उनके बहुमूल्य संरक्षण के लिए और रबड़ बोर्ड, एआईआरआईए, एटीएमए, आईआरआई, एआरएआई, सीआईआरटी, बीआईएस, टीएसएसआईए, सीओएसआईए जैसे सहायक संस्थानों का और अन्त में किंतु उतने ही महत्वपूर्ण अपने सभी कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त करते हैं जिनके सहयोग के बिना आईआरएमआरए कभी इतनी प्रगति नहीं कर पाता।

हम आईआरएमआरए को विश्व में उत्कृष्ट आर एण्ड डी संस्थानों में से एक संस्थान बनाने के लिए सभी संबंधितों से सहयोग और सहायता की आशा करते हैं।

धन्यवाद,

आपका,

एस/डी
डॉ. के. राजकुमार,
निर्देशक

आय.आर.एम.आर.ए. के कर्मचारी

बाए से दाए :
श्री. योगेश चौहान (शृंखला पुर्ती कार्यपालक), **श्री. एन. ए. फोंडके** (सीएससी अधिकारी),
श्री. एम. अनिस (सहाय्यक निदेशक), **डॉ. के राजकुमार** (निदेशक),
श्री. नितीश शुक्ला (सहाय्यक निदेशक), **श्री. महेश वाजा** (मुख्य लेखा अधिकारी),
श्री. प्रशांत बनकर (वरिष्ठ मानव संसाधन अधिकारी)

बैठे हुए बाए से दाए :
श्री. बी. आर. डुंबरे (कनिष्ट वैज्ञानिक अधिकारी-ब), **श्री. एन. ए. फोंडके** (सीएससी अधिकारी),
श्री. मनोहर नवले (वैज्ञानिक अधिकारी), **डॉ. के राजकुमार** (निदेशक), **श्री. बी. एस. यादव** (कनिष्ट वैज्ञानिक अधिकारी),
श्री. बी. आर. आरोटे (कनिष्ट वैज्ञानिक अधिकारी-ब), **श्री. श्रीराम अय्यर** (कनिष्ट वैज्ञानिक अधिकारी - ब),
खड़े हुए बाए से दाए :
श्री. साबुराज (कनिष्ट वैज्ञानिक सहाय्यक), **श्री. शांताराम नाईक** (कनिष्ट प्रयोगशाला सहाय्यक-अ),
श्रीमती मिनल पाटील (वरिष्ठ लेखा सहाय्यक-ब), **श्रीमती सुहासिनी कटके** (कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-अ),
श्रीमती प्रिती रसम (वरिष्ठ प्रयोगशाला सहाय्यक-अ)

आय.आर.एम.आर.ए. के कर्मचारी

बाए से दाए :
श्री. सुशांत पाटील (डिप्लोमा इंजिनिअर),
श्री. आश्विन रेवणकर (डिप्लोमा इंजिनिअर),
श्री. नितीश शुक्ला (सहाय्यक निदेशक),
डॉ. के राजकुमार (निदेशक),
श्री. सचिन बारवे (वैज्ञानिक अधिकारी),
श्री. दिपक तायडे (डिप्लोमा इंजिनिअर)

बाए से दाए :
श्री. संतोष जगदाळे (कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-अ),
श्री. जयराम शेट्टी (कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-अ),
श्री. मोहम्मद अनिस (सहाय्यक निदेशक),
डॉ. के राजकुमार (निदेशक),
श्री. सामजी विक्टर (कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-ब),
श्री. चंदन चौधरी (कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-ब)
श्री. विवेक आचोलकर (विद्युत मरंमत सहाय्यक)

बैठे हुए बाए से दाए :
श्री. किरण शेट्टी (कनिष्ठ प्रशासकिय अधिकारी),
श्री. योगेश चौहान (शृंखलापूर्ती कार्यपालक),
श्री. प्रशांत बनकर (वरिष्ठ मानवसंसाधन अधिकारी),
डॉ. के राजकुमार (निदेशक),
श्री. महेश वाजा (मुख्य लेखा अधिकारी),
श्री. हेमंत खैरनार (सहाय्यक वित्त अधिकारी)
श्री. नारायणन कुट्टी (वरिष्ठ लेखा सहाय्यक - क)

खड़े हुए बाए से दाए :
कु. सोनाली वाडकर (वरिष्ठ लेखा सहाय्यक),
श्रीमती राजकंतम दास (वरिष्ठ सचिव सहाय्यक),
श्री. के. एस. शंकर (वरिष्ठ लेखा सहाय्यक - ब)

वैज्ञानिक एवं तकनीकि कर्मचारी

श्री. के. राजकुमार	निदेशक
श्री. मोहमद अनिस	सहायक निदेशक
श्री. एन. के. शुक्ला	सहायक निदेशक
श्री. एन. ए. फोंडके	सी.एस.सी. अधिकारी
श्री. मनोहर नवाले	वैज्ञानिक अधिकारी
श्री. सचिन बारवे	वैज्ञानिक अधिकारी
श्री. बी. एस. यादव	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी
श्री. शामजी व्हिक्टर	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी "ब"
श्री. चंदन चौधरी	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी "ब"
श्री. जयराम शेट्टी	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी "अ"
श्री. संतोष जगदाळे	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी "अ"
श्री. बी. आर. आरोटे	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-ब
श्री. श्रीराम अय्यर	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-ब
श्री. बी. आर. डूंबरे	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-ब
श्री. निलेश एन. जाधव	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
श्रीमती. सुहासनी कटके	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-अ
श्री. साबुराज	कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक
श्री. डी. जे. मौर्या	कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक
श्री. राजु एस. शेट्टी	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक"अ"
श्री. शांताराम के. नाईक	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक"अ"
श्रीमती प्रिती रसम	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक"अ"
श्री. विवेक आचोलकर	विद्युत मरम्मत सहायक
श्री. राजेंद्र मोरे	वरिष्ठ सीएनसी मशिन चालक-अ
श्री. आश्विन रेवणकर	डिप्लोमा इंजिनिअर
श्री. दिपक तायडे	डिप्लोमा इंजिनिअर
श्री. सुशांत पाटील	डिप्लोमा इंजिनिअर

प्रशासनिक कर्मचारी

श्री. प्रशांत बनकर	वरिष्ठ मानव संसाधन अधिकारी
श्री.योगेश चव्हाण	शृँखला पूर्ति कार्यपालक
श्री.किरण शेट्टी	कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
कु. सोनाली वाडकर	वरिष्ठ लेखा सहायक
श्रीमती राजकांतम अयप्पन दास	वरिष्ठ सचिव सहायक -बी
श्रीमती वैशाली होडावडेकर	वरिष्ठ लघुलेखक
श्रीमती मीनल पाटील	वरिष्ठ लेखा सहायक- ए

लेखा एवं वित्त कर्मचारी

श्री. महेश एन.वाजा	मुख्य लेखा अधिकारी
श्री. हेमंत आर. खैरनार	सहायक वित्त अधिकारी
श्री. नारायण कुट्टी	वरिष्ठ लेखा सहायक-सी
श्री. के.एस.शंकर	वरिष्ठ लेखा सहायक-बी

स्वतंत्र लेखा परिक्षण रिपोर्ट

एम.एम.निस्सान एण्ड कंपनी (पंजीकृत)
चार्टर्ड अकौन्टन्टस

बरोडावाला मेन्शन, बी-विंग
३ री मंजील, ८१, डॉ. ऍनी बेझंट रोड,
वरली, मुंबई - ४०० ०१८.
फोन : २४९४९९०० फॅक्स :२४९४९९०५
ईमेल : mail@mmnissim.com
website : www.mmnissim.com

स्वतंत्र लेखा परिक्षकों की रिपोर्ट

प्रिय सदस्यगण,
भारतीय रबड़ निर्माता अनुसंधान संघ,
ठाणे, मुंबई- ४०० ६०४ ।

वित्तिय बयान पर रिपोर्ट

हमने **भारतीय रबड़ निर्माता अनुसंधान संघ** के दिनांक ३१ मार्च २०१५ को समाप्त वर्प के तुलन पत्र एवं उसके साथ जोडे वित्तिय बयान, आय-व्यय लेखा प्राप्ती तथा भुगतान लेखा का समावेश परिक्षित है । वित्तिय विवरणों का उत्तरदायित्व संस्था के प्रबंध का है । हमारी जिम्मेदारी मात्र लेखा परिक्षण के आधार पर हमारा मंतव्य प्रकट करना है ।

वित्तिय बयान के लिए प्रबंध्ंान कि जिम्मेदारी

प्रबंधन की तैयारी इन वित्तिय बयान की भारत में आम तौर पर स्विकार्य लेखांकन सिद्धंतो के अनुसार संघ का भूगतान और वित्तिय स्थिती, वित्तिय प्रदर्शन और प्राप्तियों का एक सच्चा और निष्पक्ष दृश्य देने के लिए जिम्मेदार है । इस जिम्मेदारी में डिजाईन, कार्यान्वयन और आंतरिक नियंत्रणा कि तैयारी करने के लिए प्रासंगिक के रखरखाव और वित्तिय बयान कि एक सच्चे और नि:शूल्क फार्म सामग्री मिस्टेटमेंट कि धोखाधड़ी या त्रुटी के कारण की प्रसूति भी शामिल है ।

लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारे लेखा परिक्षकों के आधार पर इन वित्तिय बयानों पर एक राय व्यक्त करने की हमारी जिम्मेदारी है । ऑडिटिंग संस्थान के भारतीय सनदी लेखाकार द्वारा जारी किए गए मानकों के अनुसार हमारे यहाँ लेखा परिक्षा का आयोजन किया तथा उन मानको की आवश्यक्ता है कि हम नैतिक आवश्यक्ताओं का और योजनाओं का पालन करने के साथ लेखा परिक्षा की नि:शुल्क फार्म सामग्री मिस्टेटमेंट वित्तिय बयान कर रहे है । इसके बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए यह रिपार्ट प्रदर्शीत ।

लेखा परिक्षा वित्तिय बयान में मात्रा और खुलासे के बारे में लेखा परिक्षा साध्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं के प्रदर्शन शामिल है । चयतिन प्रक्रियाओं, वित्तिय बयान की सामग्री गलत बयान के जोखिम का मूल्यांकन तथा धोखाधडी या त्रूटी लेखा परिक्षक के फैसले पर निर्भर करते है । लेखा परिक्षक की प्रकिया तथा लेखा परिक्षक की परिस्थितियाँ जोखिम आकलन करने में उपयुक्त है । एसोसियशन की तैयारी और वित्तिय बयान की निष्पक्ष प्रस्तूति के लिए आंतरिक नियंत्रण, एक लेखा परिक्षक की इस्तेमाल लेखांकन नितियों के औचित्य और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानो की तर्कसंगतता का मूल्यांकन है । साथ हि वित्तिय बयान की समग्र प्रस्तूति का मूल्यांकन भी शामिल है ।

हमें प्राप्त लेखा परिक्षा सबूत हमारे लेखा परिक्षा की राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित है का विश्वास करते है ।

हमारी राय

हमारी राय में, सर्वोत्तम जरनकारी एवं हमे प्राप्त स्पष्टीकरणो के अनुसार, यह वित्तीय बयान एवं उसपर लिखी हुई टिप्पणी के साथ पठित, सत्य एवं ठिक स्थिती दर्शाते है, जो भारत में सामान्यत: प्रचलित मान्यता प्राप्त लेखा सिद्धांतो के अनुसार है ।

१ :- यथा ३१ मार्च २०१५ तुलनपत्र एवं संघ कि स्थिती के विषय में ।

२ :- आय तथा व्यय के विषय में, वर्ष के अंत में आय पर व्यय के अधिक के संबंध में है ।

३ :- प्राप्ती एवं भुगतान लेखा के विषय में, वर्ष के अंत में प्राप्ती एवं भुगतान एवं भुगतान के संबंध में है ।

बात का जोर

निचे दिए गए मुद्दों पर ध्यान आकर्पित किया गया है ।

१ -: नोट नं. ३ अनुसूचि १५ के वित्तिय बयान तथा मध्यवर्ती स्टोअर्स खाते की रसीद एवं अन्य विषय तथा अन्य स्टॉक के संबंध ठराविक काल के पश्चात के लिए किए जानेवाले समाधन की व्यवस्था न होने के कारण है । इन्व्हेन्टरीज की सूचि बनाई गई है तथा वर्ष के अंत में व्यवस्थापन ने किए हूए सत्सता के प्रमाणिकरण पर आधारित उसका मूल्यांकन किया हूआ है ।

२ :- नोट नं. ५ अनुसूचि १५ के वित्तिय बयान तथा राष्ट्रीय खेती नविनता परियोजना में लिए हूए मत्ता के मूल्य -हास के लिए किए हूए प्रावधान के संबंध में है जो कि चार्टड अकौन्टन्टस ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए हूए लेखा के परिमाणों की आपूर्ति नहीं करता ।

३ :- नोट नं. १० (अ) अनुसूचि १५ के वित्तिय बयान संस्था के कर्मचारी द्वारा राशी का जो गबन हूआ है उसकी उचित जानकारी और प्रलंबित जाँच पूरी होने के सिवाय नुकसान के संबंध में कोई भी प्रावधान नहीं किया जाएगा । हमारी राय इन मामलों के संबंध में अधिक योग्य नहीं है ।

हमारी आगे की रिपोर्ट

१ :- हमने ऐसी सभी सुचनाए एवं स्पष्टिकरण प्राप्त किए है, जो लेखा-परिक्षण के उद्देश से हमारी जानकारी एवं विश्वास के अनूसार आवश्यक थे ।

२ :- हमारे द्वारा किए गए बहियों के निरिक्षण के अनूसार संघके लेखा-बहियों को समुचित ढंग से तैयार किया है ।

३ :- इस अहवाल में जिसपर चर्चा कि है और उपरोक्त तुलनपत्र, आय व्यय का लेखा, एवं प्राप्ती तथा भुगतान तैयार किए गए खाते के अनुरुप है ।

एस/डी
चार्टर्ड अकौन्टन्टस
(एफआयआरएम रजि. नं.१०७१२२डब्ल्यू)

सदस्य क्र. ३६४९०
ठिकाण : मुंबई
दिनांक : २१/०९/२०१५

एन. काशिनाथन
सहयोगी

३१ मार्च २०१५ के दिन का तुलन पत्र

	अनुसूची	(रू.) ३१.०३.२०१५ के दिन	(रू.) ३१.०३.२०१४ के दिन
पूँजीगत निधी एवू देयतायें			
पूँजिगत निधी	१	५,१६३,५८२	४,९४९,५८२
आरक्षित एवं अधिशेप	२	३५४०२८५१२	२८८,७७५,२१५
परियोजना निधियाँ	३	२२२३८७१८९	२३८,१२१,६३३
चालू देयताएँ एवू प्रावधान	४	३९३३३९६४	३९५५४०३५
योग		**६२०९१३२४७**	**५७१४००४६५**
अस्तियाँ			
चालू अस्तियाँ	५	१८६४०७४८५	२०७,०९७,०२८
चालू अस्तियाँ, ऋण एवं अग्रम	६	४३४५०५७६२	३६४३०३४३७
योग		**६२०९१३२४७**	**५७१४००४६५**
महत्वपूर्ण लेखांकन नितियाँ	१४		
लेखाओं पर टिपण्णियाँ	१५		

एम.एम.निस्सिम अँण्ड कंपनी
चार्टड अकाउंट्ट्स्

भारतीय रबड़ निर्माता अनुसंधान संघ

एस/डी
(एन.काशिनाथ)
पार्टनर

एस/डी
डॉ. के. राजकुमार
निदेशक

एस/डी
(डॉ. रघुपती सिंघानीया)
चेअरमन

स्थान :- मुंबई
दिनांक : २१-०९-२०१५

३१ मार्च २०१५ के समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

	अनुसूची	(रु.) २०१३-२०१४	(रु.) २०१२-२०१३
आय			
कारोबार/सेवाओं से आय	७	१४४,९८३,७३०	१८३,५४२,४२४
अंशदान/अर्थसहाय	८	१५७९११३७९	२४,५४८,४३२
फीस/चन्दा	९	३४७,५००	२२१,५००
अन्य आय	१०	२२६७०४५८	२३,४७६,००३
योग		**१८३७९३०६७**	**२३१,७८८,३५९**
व्यय			
कच्चा माल, रसायन का खर्च, एवं स्टोर्स	११	२०,५६६,६७१	२९०८२,०८७
आस्थापना खर्च	१२	४६,५१७,९९४	४५,२९५,७९२
अन्य प्रशासनिक खर्च	**१३**	**२७३१४८१५**	**४०,२३५,६६५**
मूल्यहास	५	२२,७९४६९०	३१,८५५७,०००
योग		११७१९४१७०	१४६,४७०,५४४
आय पर व्यय का अधिक्य		६६५९८८९७	८५,३१७,८१६
जमा: वस्तूओं की पूर्व अवधि (नेट)(नोट क्र.०९ में देखें)		(१३४५६००)	(९३,२५०)
		६५२५३२९७	८५,२२४,५६६
विनियोग :-			
सामान्य आरक्षित में स्थानांतरित		६५२५३२९७	८५,२२४,५६६
महत्वपूर्णलेखा-नीतियाँ	१४		
लेखाओं पर टिपण्णीयाँ	१५		

एम.एम.निस्सिम अँण्ड कंपनी
चार्टड अकाउंट्ट्स्

भारतीय रबड़ निर्माता अनुसंधान संघ

एस/डी	एस/डी	एस/डी
(एन.काशिनाथ)	**डॉ. के. राजकुमार**	**(डॉ. रघुपती सिंघानीया)**
पार्टनर	निदेशक	चेअरमन

स्थान :- मुंबई

दिनांक : २१-०९-२०१५

भारतीय रबड़ निर्माता अनुसंधान संघ

३१ मार्च २०१५ के तूलनपत्र का प्रारुप विभाग

प्राप्तीयाँ	चालू वर्ष	पिछले वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
प्रारम्भ कि शेष					
नगदी शेष	१३,०६९	१४,४९२	प्रयोगशाला रसायन स्टोअर्स तथा भाग	१९०३३२०८	२८,६२३,२८१
बैंक चालू खाता	१५,३६७,४९६	७७,५१९,९८९	आस्थापना लागत	४१,८१२,५३३	४७,८०७,६६३
प्रायोजित परियोजना/जाँच आय	१५७७११३८५	१२७,९५३,१५७	प्रशासनीक लागत	२८,८८७,१३८	४४,२९२,४६२
प्रशिक्षण/कार्यशाला शुल्क	२,३३८,४८३	१,८४०,०२५	अचल अस्थियाँ कि खरीदारी	२,०४८,२१०	८,८३५,५२९
मुदत जमा पर ब्याज	९९४४७२०	२२,४२६,६९३	सवधि जमा के निवेश	८२२८०७२१	९०,५२४,४२०
सलाना शुल्क/सबस्क्रिप्शन	३४७,५००	२२१,५००	कर्मचारी ऋण	-	२७२,४१०
अन्य आय	१७४६५०७	४,३९८,५००			
आजिवन सदस्य योगदान	१००,०००	१००,०००			
प्रवेश शुल्क	११४,०००	६०,०००			
एनएआईपी परियोजनाओं के लिए योगदान	-	१,०५२,५५३			
कर्मचारी ऋण	४७४,३००	-			
अचल विक्री जमा	-	१४९,४२१			
			आखरी शेष		
			नगदी शेष	१२,९३६	१३,०६९
			बँक चालू खाता	१४,०८२,७१४	१५,३६७,४९६
योग	१८८१५७४६०	२३५,७३६,३३०	योग	१८८,१५७,४६०	२३५,७३६,३३०

एम.एम.निस्सिम अँण्ड कंपनी
चार्टड अकाउंट्टस्

भारतीय रबड़ निर्माता अनुसंधान संघ

एस/डी
(एन.काशिनाथ)
पार्टनर

एस/डी
डॉ. के. राजकुमार
निदेशक

एस/डी
(डॉ. रघुपती सिंघानीया)
चेअरमन

स्थान :- मुंबई
दिनांक : २१-०९-२०१५

यह अनुसूचि ३१ मार्च २०१५ के दिन का तुलन पत्र का अंग है ।

		(रु.) यथा ३१.०३.२०१५		(रु.) यथा ३१.०३.२०१४

अनूसुचि - १ पूंजी निधी

आजीवन सदस्यता अंशदान				
वर्ष के आरंभ में शेष राशी	३,३२५,०००		३,२२५,०००	
जोडें : वर्ष के दौरान प्राप्त राशी	१००,०००		१००,०००	
वर्ष के अंत में शेष		३,४२५,०००		३,३२५,०००
प्रवेश शुल्क				
वर्ष के आरम्भ में शेष	७४१,०००		६८१,०००	
जोडें : वर्ष के दौरान प्राप्त राशी	११४,०००		६०,०००	
वर्ष के अंत में शेष		८५५,०००		७४१,०००
पूँजी दान फंड़				
वर्ष के अंत में शेष		६६१,०९३		६६१,०९३
सीआईएसआर पूंजी अनुदान निधी				
वर्ष के अंत में शेष		२२२,४८९		२२२,४८९
योग		५,१६३,५८२		४,९४९,५८२

अनुसूची - २ आरक्षित एवं अधिशेष

विशेलं आरक्षित				
कर्मचारी कल्याण निधी				
वर्ष के अंत में शेष		३,४६२,२२६		३,४६२,२२६
सामान्य आरक्षित				
वर्ष रंभ में शेष	२८५,३१२,९८९		२००,०८८,४२३	
जोडे:आय-व्यय लेखा से स्थानांतरण	६५२५३२९७		८५,२२४,५६६	
		३५०५६६२८६		२८५,३१२,९८९
योग		३५४०२८५१२		२८८,७७५,२१५

यह अनुसूचि ३१ मार्च २०१५ के दिन का तुलन पत्र का अंग है ।

अनुसूची ३ - परियोजना निधियां

निधीनुसार विघटन

	प्रयोगशाला निधी	अनुसंधान विकास निधी	प्रायोजित अनुसंधान के लिए अंशदान	एनएआईपी परियोजनाके लिए अंशदान	योग यथा ३१-०३-२०१५	यथा ३१-०३-२०१४
वर्ष के आरम्भ में शेष	२९६,०००	१४,३३२,५०९	२०८,६०३,३८६	१४,८८९,७३८	२३८१२१६३३	२६१,६१७,५१२
निधी/अनुदान के लिए परिवर्धन	—	—	५६,९३५	—	५६,९३५	१,०५२,५५३
	२९६,०००	१४,३३२,५०९	२०८,६६०,३२१	१४,८८९,७३८	२३८,१७८,५६८	२६२,६७०,०६५
अनुदान के उद्दिष्टे के प्रति उपयोजित/खर्च प्रायोजित अनुसंधान तथा एनएआईपी परियोजना सम्बंधी चालू वर्ष के लिए मूल्य -हास रू.१,४९,७१,५५८ /- (पिछले वर्ष रू.२,३७,३०,७९९ /-) तथा रू.८,१९,८२१ /- (पिछले वर्ष रू.८,१७,६३३ /-) एवं आवर्ति खर्च का आय-व्यय खाते में प्रावधान है ।	—	—	१४९७१५५८	८१९८२१	१५७९१३७९	२४,५४८,४३२
पूंजी निधी में हस्तांतरित						
योग	२९६,०००	१४,३३२,५०९	१९३६८८७६३	१४,०६९,९१७	२२२३८७१८९	२३८,१२१,६३३

अनुसूची - ४ : चालू देयताएँ एवं प्रावधान

निजी	२०१३-२०१५		२०१२-२०१४
(अ) चालू देयताएँ एंव प्रावधान			
विविध लेनदार			
खर्च के लिए	२५५,१८२		४,४८१,९०५
अन्य	१,७७०,८४७		४२९,७१४
		२,०२६,०२९	**४,९११,६१९**
अग्रीम प्राप्ती	२५०१८३४२	२५०१८३४२	२७०५८२८४
		२७०४४३७१	**३११९६९०३**
(ब)प्रावधान			
जमा हुई छुट्टियों का नगदी करण	६,७०२,७२५		४,४७६,२१६
गैज्युईटी का प्रावधान (**टिप्पणी** ११ देखे)	५,५८६,८६८		३,१०७,९१६
		१२,२८९,५९३	७,५८४,१३२
योग		३९३३३९६४	३९५५४०३५

यह अनुसूचि ३१ मार्च २०१५ के दिन का तुलना पत्र का अंग है ।

अनुसूचि ५ - अचल संपत्तियाँ

विवरण	सकल खंड				ह्रास				निव्वल खंड	
	लागत के रुप में ३१.०३.२०१४	वर्ष के दौरान जोड	वर्ष के दौरान जोड	लागत के रुप में ३१.०३.२०१५	३१.३.१४ के दिन मुल्य	वर्ष के दौरान प्रबंध	घटौती	कुल ३१.०३.२०१५	यथा ३१.३.१५	यथा ३१.३.१४
मूर्त संपत्ति										
पट्टाधृत भूमि	६०२००	-	–	६०२००	–	–	–	--	६०२००	६०२००
पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	२९०५५५००	-	--	२९०५५५००	--	--	--	--	२९०५५५००	२९०५५५००
इमारत										
पट्टाधृत भूमि पर	१८८६३९१५	-	--	१८८६३९१५	१४५७४८८६	४२८९०३	--	१५००३७८९	३८६०१२६	४२८९०२९
पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि पर	९२३८२३०८	-	--	९२३८२३०८	३९५३४०७४	५२८४८२३	--	४४८१८८९७	४७५६३४११	५२८४८२३४
प्रयोगशाला उपकरण	२४८९७१८८०	-	--	२४८९७१८८०	१५६८४३३५२	१३८१९२८०	--	१७०६६२६३२	७८३०९२४८	९२१२८५२८
वाहन	२३४०१९४	-	_	२३४०१९४	७६२८८१	२३६५९७	_	९९९४७८	१३४०७१६	१५७७३१३
फर्निचर एवं जुडनार	५६४९५०४	१७६५५७	--	५८२६०६१	३३६७५२६	२४५२४०	--	३६१२७६६	२२१३२९५	२२८१९७८
कार्यालय उपकरण	२७८३०९५	-	--	२७८३०९५	१४२९२६२	२०३०७५	--	१६३२३३७	११५०७५८	१३५३८३३
कम्प्युटर परिफेरल	७२२१५६४	९१३६३	--	७३१२९२७	६९८६१४९	२१६७२२	५६,९३५	७१४५९३६	१६६९९१	२३५४१५
विद्युत स्थापना	१६७६५९३८	-	--	१६७६५९३८	१२६६०४८४	४०९४५४	--	१३०६९९३८	३६९६०००	४१०५४५४
पुस्तकालय किताबे	८७४४७४	-		८७४४७४	८७४४७४			८७४४७४		
अग्नी सुरक्षा उपकरण	१२५३०६	-		१२५३०६	११७७०८	११४०		११८८४८	६४५८	७५९८
डाय और उपकरण	९८५११८१	११८२७	–	९८६३००८	७१९२४३०	४००५८६	–	७५९३०१६	२२६९९९२	२६५८७५१
अन्य अचल अस्तियाँ	८६३५१	-	–	८६३५१	८४१७२	५४५	–	८४७१७	१६३४	२१७९
कारखाने और मशिनरी	३३३५६४४	१७६८४६३	--	५१०४१०७	२९२१८०	६८१०४८	--	९७३२२८	४१३०८७९	३०४३४६४
एनएआईपी-उपकरण	१५१३०७७०	-	--	१५१३०७७०	३६०८३०५	७१९१७९	--	४३२७४८४	१०८०३२८६	११५२२४६५
एनएआईपी कॉयर उपकरण	२१४८७४२	-	--	२१४८७४२	४११४७६	१००६४२	--	५१२११८	१६३६६२४	१७३७२६६
अमूर्त संपत्ती	१६५५८९६	-	--	१६५५८९६	१४६६०७४	४७४५६	--	१५१३५३०	१४२३६६	१८९८२२
योग	४५७३०२४६२	२०४८२१०	--	४५९३५०६७२	२५०२०५४३४	२२७९४६९०	५६,९३५	२७२९४३१८८	१८६४०७४८४	२०७०९७०२८
पिछला वर्ष	४४९२५६९०७	८८३५५२९	७,८९,९७४	४५७३०२४६२	२१८९२३१४८	३१८५७०००	५,७४,७१४	२५०२०५४३४	२०७०९७०२८	२३०३३३७५९

यह अनुसूचि ३१ मार्च २०१५ के दिन का तुलन पत्र का अंग है ।

अनुसूची - ६ : चालू अस्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम

	रु. तथा ३१.०३.२०१४	रु. तथा ३१.०३.२०१३
(अ) चालू अस्तियाँ		
माल सूचि		
विकसित रबड़ उत्पादन	१,३९७,२७९	६,१३८,२३७
काम चालू	५,४९७,२७४	--
रसायन, स्टोर एवं स्पअर्स	२३९,०९०	९३३,७६३
	७,१३३६४३	**७,०७२,०००**
फुटकर उधारकर्ता (प्रतिभति रहित, उचित)		
छह माह से अधिक उधार		
विचार में आनेवाला	६२४३३७७९	४७२९२०३६
आंशका लगनेवाला	८,०००,०००	४,०००,०००
	७०४३३७७९	**५१२९२०३६**
कम : अंशकावाले धार के लिए प्रावधान	८,०००,०००	४,०००,०००
	६२४३३७७९	४७२९२०३६
अन्य	--	३६२५०३६६
	६२४३३७७९	८३५४२४०२
हात में शेष रक्कम	१२,९३६	१३,०६९
बैंक शेष		
शेडयूल बैंक के साथ		
चालू खाते में	१४,०८२,७१४	१५,३६७,४९६
जमा खाते में	३०४३६१२७३	२२२,०८०,५५२
योग (अ)	**३८८०२४३४५**	**३२८०७५५१९**
बी.ऋण, अग्रिम एवं अन्य अस्तियाँ		
(प्रतिभूति रहित, उचित)		
कर्मचारी ऋण	१,६४८,८५०	२,१२३,१५०
नगद या अन्य प्रकार से प्राप्त होने योग्य अग्रिम तथा अन्य राशियाँ या प्राप्त होनेवाला मूल्य		
मूल्य के लिए प्राप्त	६,९४०६२७	७,१९४,६०२
स्त्रोत से कर कटौती	२४,३९९९८४	१९,३२६,७३९
एनएआईपी परियोजना प्राप्त करने योग्य (**टिप्पणी** ०७ देखे)	२,१०१,६७९	२,१०१,६७९
प्राप्त आय निम्न जैसी	११३९०२७७	५,४८१,७४८
योग (ब)	**४६४८१४१७**	**३६,२२७,९१८**
योग (अब)	**४३४५०५७६२**	**३६४३०३४३७**

३१ मार्च २०१५ के समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

	रु. तथा २०१४-१५	रु. तथा २०१२-१३

अनुसुचि - ७ आय : सेवा और ऑपरेशन

जाँच एवं संशोधन प्रभार	९१,५३७,७८२	९१,६५८,२२७
प्रशिक्षण/वर्कशॉप फी और अन्य रिकवरी	२,३३८,४८३	१,८४०,०२५
मिसलेनियस आय	२,५४३	२८,९३७
विकास आय	५१,१०४,९२२	९०,०१५,२३५
रबड़ स्क्रैप बिक्री	--	--
योग	**१४४,९८३,७३०**	**१८३,५४२,४२४**

अनुसूची - ८ अंशदान / अर्थसहाय

(अपरिवर्तनिय अनुदान एवं प्राप्त सब्सिडी)

प्रायोजित परियोजनाएँ (नोट नं. ३)		
राजस्व खर्च	१५,७९१,३७९	२४,५४८,४३२
आस्थागित आय (राजस्व अनुदान)	१५,७९१,३७९	२४,५४८,४३२
योग		

अनुसूचि ९ - शुल्क / अंशदान

वार्षिक शुल्क / चंदा	३४७,५००	२२१,५००
योग	३४७,५००	२२१,५००

३१ मार्च २०१५ के समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

	रु. तथा २०१४-१५	रु. तथा २०१२-१३

अनुसूची - १० अन्य आय

ब्याज		
अनुसूचित बैंक में मियादी पर निश्चित निधी	२०,९२६,४९४	१९,१०६,४४१
स्टाफ ऋण पर	२१९,१९६	२५५,२७६
बचत बैंक खाते पर	२९९,१४०	१६५,८३४
संड्रि अन्य आय	३,८१४	१,४५०
अधिकार (टीओटी) फी	४१,४६३	१३२,५२३
किराया प्राप्त	५६,८९९	५२,३००
संड्रि बँलन्स परतावा (कुल)	१६२७०९	१,०४८,०२९
विदेशी मुद्रा नुकसान / लाभ	९६०,७४३	२,७१४,१५०
योग	**२२६७०४५८**	**२३,४७६,००३**

अनुसूची - ११ माल कि लागत एवं रसायन एवं स्टोर्स एवं तैयार माल

प्रयोगशाला रसायन एवं स्टोअर्स के उपयोग में लाए गए अल्प भाग	२०,६२८,३१४	२८,६२३,२८१
स्टॉक में **(बढ)ह्/घट**	(६१,६४३)	४५८,८०६
योग	**२०,५६६,६७१**	**२९,०८२,०८७**

अनुसूची - १२ प्रशासनिक खर्च

वेतन एवं अन्य भत्ते	३७,३४०,७१९	३८,४४६,०९०
भविष्य निधीए, ग्रैच्युईटी तथा निधियों में योगदान	६,९९९,८४७	४,३९६,७००
कर्मचारी कल्याण निधि खर्च	२,१७७,४२८	२,४५३,००२
योग	**४६,५१७,९९४**	**४५,२९५,७९२**

३१ मार्च २०१५ के समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

अनुसूची - १३ अन्य प्रशासनिक खर्च

	रु. तथा २०१४-१५	रु. तथा २०१३-१४
बिजली एवं जल प्रभार	८३०५१११	८,४२३,२३६
प्लांट एवं मशिनरी तथा अन्य अस्तियों पर	४,२१२६२५	१२,४४४,७१८
बिमा	२८३५४६	४५७७७३
दर एवं कर	१००,६०२	२००,६५७
वाहन मरम्मत एवं रखरखाव	१९७,१७९	३८३,३११
डाक, फोन एवं अन्य संचाल साधन प्रभार	४६२,२६३	४९४,३४४
मुद्रण एवं लेखा सामग्री	५४३,००३	५८९,१६८
यात्रा एवं परिवहन खर्च	८३५,९९४	२,८१८,९०९
परिषद / कार्यशाला / सम्मेलन पर खर्च	२,०८९,८८०	१,९९८,४४८
चंदा खर्च	१६,८१६	५२,६५५
लेखा परिक्षण शुल्क	१००,०००	१००,०००
व्यावसाईक शुल्क	३,०६२,९१४	१,६२७,९८४
वित्त प्रभार	७६७,३७७	१,३३१,५८०
परिसमापन हर्जाना	--	२,४८३,७९१
फ्रेट एवं अग्रवती खर्च	१,५७८,२५४	१,६६२,५९६
उत्पाद शुल्क	--	१,३०८,९५१
विज्ञापन खर्च	९१,८७५	२८१,१२२
कम्प्यूटर एवं विविध व्यय	३६१,४०९	५०१,८६४
आशंकापूर्ण ऋण रद	४००००००	३,०००,०००
विक्रेता रजिस्ट्रेशन शुल्क	--	८,७१९
संपत्ती की बिक्री पर नुकसान	--	६५,८३९
भर्ती व्यय	३०५,९६७	–
योग	**२७३१४८१५**	**४०,२३५,६६५**

यह अनुसूचि ३ १ मार्च २ ० १ ५ के दिन का तुलन पत्र का अंग है ।

अनुसुचि १४ : महत्त्वपूर्ण लेखांकन नितियाँ

(ए) लेखांकन परम्परा :

लेखा ऐतिहासिक परंपरा को अपनाते हुए तैयार किए गए है और उसके प्रो-उध्द्वन के आधार पर एवं भारतीय सनदी लेखाकार व्दारा प्रकाशित की हुई उचित लेखा परिणाम के अनुसार है ।

(बी) माल का उपयोग :

वित्तिय विवरण बनाने के लिए व्यवस्थापन को अंदाज एवं कुछ कल्पना पर निर्भर रहना पडता है जिसका वित्तिय विवरण के दिन कि अस्तियाँ तथा देयताएँ पर एवं रिपोर्ट कें काल में आय तथा व्यय के लिखे हुए रक्कम पर असर पडता है । प्रत्यक्ष परिणाम तथा अंदाज में जो फर्क होता है उनका जिस कालावधी में परिणाम होता है उसपर विचार किया जाता है । जब की व्यवस्थापन के चालू घटनाओं का अंदाजा तथा कृती के सर्वोत्कृप्ट ज्ञान पर आधारित होता है । फिर भी प्रत्यक्ष परिणाम इस अंदाज से अलग हो सकते है ।

(सी) सूची :

विकास किए हुए रबड़ उत्पादन, रसायन संचय, तथा भाग का न्यूनतम खर्च तथा प्राप्त होने योग्य मूल्य पर आधरित मूल्य किया जाता है । माल, रसायन, भंडार एवं भाग के खर्च में खरिदी का खर्च तथा परिवर्तन मूल्य सम्मिलित होता है । इन्वेन्टरी कर मूल्य एफआईएफओ पर आधारित होता है ।

(डी) अचल अस्तिया :

अ) अचल अस्थियों का निर्धारण विनिर्माण अधिग्रहण लागत पर किया गया है ।जिसमें अधिग्रहण संबंधि आवाक भाड़ा, चुंगी तथा कर एवं नैमित्तिक तथा प्रत्यक्ष लागत सम्मिलित है ।

ब) प्रायोजित परियोजना के अधिन प्राप्त अस्तियों का पूंजीकरण अधिग्रहण वर्ष में लागत पर किया गया है ।

क) साफटवेअर के सम्पादन के संबंध में किया खर्च जो कि हार्डवेअर संबंधी अतिरिक्त हिस्सा नहीं है उसे अमूर्त स्वरूप में पूंजीगत किया है ।

(इ) मूल्यहास :

एनएआईपी परियोजनाओं के अंतर्गत प्राप्त किए हूए अस्तियों के अलावा सरकारी अनुदानी एवं अन्य अनुदान व्दारा निर्मित तथा अस्थियों पर मूल्य -हास का प्रावधान आयकर नियमों के अनुसार पुंजीकरण के वर्ष से मूल्य -हासित मूल्य के आधार पर कीया गया है । एनएआईपी परियोजना के अंतर्गत खरीदी हुई / प्राप्त कि गई अस्तियाँ - वर्ष के लिए मूल्य -हास एनएआईपी परियोजना अस्तियाँ के लिए निश्चित किए हुए दर से सरल

रेखा पद्धती से प्रावधान किया है । वर्ष के दौरान खरिदी गई अस्तियाँ जिसका मूल्य रू. १०,०००/- से कम होगा उसका रू. १/- शेष मूल्य मानते हुए १०० प्रतिशत के दर से मुल्य-हास पकडा गया है ।

लिजहोल्ड जमिन का खर्च लिज काल में परिशोधन नहीं किया गया है ।

(एफ) सरकार और अन्य अनुदान :

सरकारी /अन्य अनुदान को इस लेखा में शामिल किया गया हैं, जब कि उसकी शर्तो की संस्था अपूर्ति करेगी इसकी सही परिक्षण होगा एवं इसके मिलने का सही निश्चय होगा । मूल्य-हास जन्य अस्तियों से संबंधित अनुदान को अस्थागित आय मानते हूए, मूल्य-हास के अनुपात में आय-व्यय लेखा में मान्यता दी गई है । प्रायोजित अनुसंधान परियोजना संबंधी आवर्ति खर्चो को निधी से समायोजित किया है और आय-व्यय लेखा में उसके अनुसार मान्यता दी गई है ।

(जी) राजस्व मान्यता :

अ) संस्था द्वारा विकास किए हुए उत्पादन के संबंध की प्रायोजित परियोजनाओं का साधारण तौर पर वितरण के समय लेखा में दर्शाया गया है तथा उसकी जोखिम एवं लाभ तभी स्थानांतरित किए जाते हैं ।

ब) जाँच एवं प्रशिक्षण शुल्क कंत्राट के दर से सेवा देने के समय आय के रूप में दिखाया गया है ।

सी) ब्याज आय कंत्राट के दर से दर समय अनुपात से लेखा में दिखाया गया है ।

(एच) विदेशी चलन का व्यवस्थापन :

वर्ष के दौरान विदेशी मूद्रा संबंधि लेन-देन व्यवहार वास्तविक विनिमय दर के अनूसार उसी दिन लागू किया गया है । वर्ष के अंत में बकाया विदेशी मुद्रा को तुलन पत्र के दिन प्रचलित दर पर दर्शाया गया है । मुद्रा के अलावा होनेवाले व्यवहार, जो कि पुराने से विदेशी मुद्रा में दर्शाए गए है । उन्हें व्यवहार के दिन के विनिमय के दर के लेखा में दर्शाया गया है । मुद्रा संबंधी व्यवहार के सेटलमेंट/रिस्टेटमेंट के कारण होलेवाले विनिमय के फर्क को जिस वर्ष के दौराण व्यवहार होता है उसमें आय या व्यव के रूप में दर्शाया गया है ।

(आई) कर्मचारी लाभ :

अ. निर्धारित योगदान योजना

संस्था द्वारा भविष्य निर्वाह नीधि की निर्धारित योगदान योजना में योगदान दिया जाता है जिसका प्रशासन प्रादेशिक भविष्य निर्वाह निधी अधिकारी द्वारा किया जाता है। एवं इसमें योगदान के अलावा कोई भी अधिक जिम्मेदारी नहीं होती हैं । इसका वर्ष में खर्च दिखाया जाता है ।

<u>निर्धारित लाभ योजना</u>

ग्रॅच्युईटी की देयताएँ वर्ष के अंत में सांख्यिकी मूल्यांकन के आधारपर निश्चिती कि जाती है, जिसका हिसाब प्रोजेक्टेड युनिट क्रेडीट पद्धती से किया जाता है । सांख्यिकी लाभ एवं घाटा जिसमें अनुभव समायोजन एवं सांख्यिकी अंदाज में बदलाव परिणाम को आय-व्यय लेखा में दिखाया जाता है । प्रिमियम भुगतान को आय-व्यय लेखा में दिखाया जाता है ।

ब. संस्था के छुट्टी के धोरण के अनुसार कर्मचारि छुट्टी के लाभ को पात्र होते है । लाभ न ली हुई शेप छुट्टी की देयताएँ वर्ष के अंत में सांख्यिकी के मूल्यांकन पर आधारित दिखाई गई है ।

(जे) आयकर

आयकर कानून १ ९ ६ १ के कलम १ ० (२ १) के अधिन संस्था को आयकर भरने से मुक्त किया गया है ।

(के) प्रावधान <u>एवं आकस्मिक देयताएँ</u>

पूर्व घटीत घटना के परिणाम अगर कोई देयताएँ निर्माण होती है एवं जिसके लिए सामग्री का व्यय होने की संभावना है एवं जिस व्यय का भरोसेमंद मूल्य निश्चित किया जा सकता है । आकस्मिक देयताओं को प्रगट किया जाता है जब संभाव्य बंधन हो या ऐसा वर्तमान बंधन हो जिसके लिए सामग्री का व्यय होने की संभावना हो, लेकिन व्यय होने की संभावना नहीं हो । जब कि ऐसे संभाव्य बंधन या वर्तमान बंधन हो जहाँ सामग्री का व्यय हो ने की सम्भावना बहुत कम होती है ।

यह अनुसूचि ३१ मार्च २०१५ के दिन का तुलन पत्र का अंग है ।

अनुसुचि १५ : खातों पर ध्यान दें ।

१ - लगत के खर्च के लिए

ए) -महाराष्ट्र वेल्फेअर निधी का भुगतान न करना रु.(कुछ नहीं है) । (पिछला वर्ष रू.३०,३६६/-)

बी). संस्था ने दि हुई बैंक गैंरन्टी क्रियाशिलता (रू.२,४८,९७,५८४/-(रू.१,५९,९७,५०३/-)

सी).संघ द्वाराविवादित वॅट की माँग रु.१०७७७५७३/-पिछले वर्ष रु.१४४९८२४।

डी) . संघ द्वारा विवादित उत्पाद शुल्क की माँग रु.२,९४,३६,४३२/-पिछले वर्ष रु.२९४३६४३२।

२-संबंधितआयकर रेकॉर्ड से अनुसार स्त्रोत से कटौती किए हुए कर (टीडीएस) की रक्कम के सूलह के कार्य के बाकी रहते हुए रू. २,४३९९९८४/-पिछले वर्ष (रु.१,९३,२६,७३९) की प्राप्त करने योग्य रक्कम को लेखा के अनुसार दिखाया गया है। संस्था को आयकर के भुगतान से मुफत करने वाले कलम ३५ के उपकलम (१) के कलम (२) के साथ पढ़ते हुए कलम ३२ एफ क्र. १०/३०६३-आयटी (एआय) के अनुसार जारी किए हुए नोटिफिकेशन व्द्रा दिए हुए एक्झंप्शन को नियमित करने कि तथा आवश्यक संबंधित मूल्यनिर्धारण वर्ष के लिए आयटी रिटर्न भरने की प्रक्रिया जारी है तथा टीडीएस पुनर्लाभ होने की आशा है।

३-मध्यवर्ती स्टोअर विभाग की गैरमौजुदगी और रखरखाव स्टाक रजिस्टर्स और कुछ समय के लिए पुन: निर्धारित परतावा के देय और बंद स्टाक उसे ध्यान में लिया है और व्यवस्थापन ने वर्ष के आखिर में उसकी जाँच की है ।

४-ऋण एवं अग्रीम, संड्री डेटर्स, क्रेडिटर्स, एवं जमा पूँजी के शिर्षक में दिखाई गई शेष रक्कम लेखा की पुस्तिका के अनुसार हैं एवं प्रमाणिकरण, सूलह तथा परिणामजन्य समंजन के अधिन है । व्यवस्थापन के अनुमान के अनुसार प्रचलित मत्ता, ऋण एवं अग्रीम जिसका व्यवसाय के सामान्य व्यवहार में कोई मुल्य है, वह तुलन पत्र में दिखाए गए कुल मुल्य के समान है ।

५-भारतीय कृषि अनुसंधान कौन्सिल के निर्देश के अनुसार '' राष्ट्रीय कृषिनविनता परियोजनाओं के '' अधिन संपादन किए हुए अधिक मत्ता पर एसएलएम पद्धती से मूल्य-हास का प्रावधान किया गया है। एवं वे इन्स्टिटयुट ऑफ चार्टर्ड अकाउन्टन्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए हुए लेखा परिणमों की आपूर्ति नहीं करते ।

	२०१४ - २०१५ रू.	२०१३ - २०१४ रू.
प्रवास खर्च	६२,१४१	६५६,१३१
एएमसी और स्पेअर पार्ट	२,१५५,०९७	१,५७१,०६०

९- एनएआईपी परियोजना

ए).२००८-०९ वर्ष के दौरान, संस्था को नारियल फाईबर तथा इसके उपउत्पाद के लिए मूल्य शृंखला यह परियोजना सौंपी गई । किसानों को अच्छी कमाई कराने हेतू उच्च मूल्य तथा अधिक अच्छी पनन क्षमता वैविध्यपूर्ण उत्पाद - सहायत्ता संघ पद्धती से भारतीय कृषि अनुसंधान कौन्सिल **(आईसीएआर)** के राष्ट्रीय नविनता परियोजना **(एनएआईपी)** में पूरा करना है । वर्ष २००८-२००९ से २०१४-२०१५ के लिए कुल बजट काम रू. ७१,२८,४६०/- का है । वर्ष के दौरान संस्था ने रू. १,००,६४२/-(रू.१,००,६३७/-) संस्थात्मक भार खर्च किया है । इसके साथ रू. कुछ नहीं **(रू.**७,९०,२८१/-) इतना आवर्ती लागत के रूप मेंखर्च किया है जिसे आयव्यय लेखा में एवं एनएआईपी निधी में उसका समायोजन किया जाएगा । इसके साथ रू. कुछ नहीं (रू.७,९०,२८१) इतनी रक्कम आवर्ति न होनेवाले लागत के रूप में खर्च की है । जैसे की उपकरण की खरिदी । वर्ष के दौरान संस्था को रू. २६,४०,४५२/-(रू.२७,४१,०९४/-) इतनी कुल रक्कम प्राप्त हुई है । एवं वर्ष के अंत खर्च न किया हुआ शेष रू.११,७४,५५९/-(कुल) **(रू**११,७४,५५९/-) जो कि एनएआईपी व्दारा शेष नगद फंड के रूप में परियोजना नीधी शीर्षक में दिखाया गया है । (**अनुसूचि** ३ देखे)

बी).सन २००७-२००८ के दौरान, इंडियन कौन्सिल फार एग्रिकल्चरल रिसर्च **(आईसीएआर)** के राष्ट्रीय कृषि नविनता परियोजना **(एनएआईपी)** द्वारा संस्था को कन्सार्टियम प्रकार से चलाने हेतू " वाटरशेड के लिए रबड़ डैम का डिजाईन एवं विकास की परियोजना दि है । २००७-२००८ से २०१४-२०१५ के दौरान कुल मूल्य कर अनुमान रू. २,८५,१०,४४८/ है । वर्ष के दौरान संस्था ने जाँच आय एवं संस्थात्मक शुल्क से रू.कुछ नहीं/-(रू.४४,७००/-) की राशी जमा की है जो कि एनएआईपी व्द्रा प्राप्त होने वाली है । संस्था ने आवर्ति खर्च के रूप में रू.७,१९,१७९/-(रू.७,१६,९९६/-) की रक्कम खर्च की है जिसे आयव्यय लेखा में दर्शाया गया है । इसके साथ ही संस्था ने रू.२,६२,२७२(**रू.नही** है) इतनी रक्कम अ-आवर्ती लागत के रूप में खर्च की है । जैसे उपकरण की खरिदी । तथा वर्ष के अंत में रू. १,१४,२९,४६५/-(रू., १,२१,४८,६४४/-) शेष निधी के रूप में परियोजना निधी के शीषक में दर्शाई गई है । (**अनुमती** ३ देखें) तथा रू. ९,२७,१२०/-(रू.९,२७,१२०/-) चुकाने योग्य रक्कम ऋण तथा अग्रीम इस शिषक के निचे एनएआईपी से प्राप्त होने वाली रक्कम के रूप में दर्शाई गई है।

यह अनुसूचि ३१ मार्च २०१५ के दिन का तुलन पत्र का अंग है ।

अनुसूचि १५ - खाते पर टिप्पणीयाँ

१०. **लघुतम (सूक्ष्म) लघु एवं मध्यम उद्योग विकास कायदा २००६ (एमएसएमईडी)** २०१४-१५ २०१३-१४

व्यवस्थापन ने संस्था को माल एवं सेवा प्रदान करने वाली एवं जो कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकास कायदा, २००६ मे व्याख्या किए अनुसार सूक्ष्म एवं लघू उद्योग की व्याख्या में पात्र हैं ऐसी कंपनीओं की पहचान को निश्चित करने की प्रक्रिया जारी है ।

	२०१४-१५	२०१३-१४
१) एमएसएमइड़ी तहत आपूर्ति कर्ताओं के लिए मूल राशि :-	२०२,२४८	१०१,१२४

नोट:- नियत तारिख से परे किए गए भूगतान से संबंधित अन्य जानकारी/ खुलासे/ ब्याज लागू नहीं है और संचयी ब्याज शुन्य किया जा रहा है ।

११. **पूर्वकाल पर आधारित मुद्दे**

	२०१४-२०१५	२०१३-२०१४
परीक्षण प्रभार	१३४५६००	—
ऑडिट फिस पर सर्वीस टॅक्स	—	९३,२५०
	१३४५६००	९३,२५०

१२. अ) **संस्था** के कर्मचारी द्वारा लगभग रु. १४ लाख राशी का गबन हो गया तो उचित जानकारी और प्रलंबित जाँच पूरी होने के सिवाय नुकसान के संबंध में कोई भी प्रावधान नहीं किया जाएगा ।

यह अनुसूचि ३१ मार्च २०१५ के दिन का तुलन पत्र का अंग है ।

अनुसूचि १५ - खाते पर टिप्पणीयाॅं

ए) कर्मचारी लाभ

वर्ष- के दौरान निम्न संस्थानों को आय एवं व्यय खाते में दिखाया गया है।

विवरण	ग्रैच्युटी फंडेड रुपये	
	२०१४-२०१५	२०१३-२०१४
निर्धारित लाभ जिम्मेदारी में बदलाव		
१ अप्रैल २०१४ के दिन जिम्मेदारी का सही मुल्य	७,२८७,५४३	९,७०५,५५३
सेवा लागत	५९५,००५	५४५,३७६
ब्याज लागत	६५१,४६३	७२६,८२८
सांख्यिकी लाभ (घाटा)	१,६८६,६७३	(२,२२५,४८४)
लाभ भुगतान	(७८,०२३)	(१,४६४,७३०)
३१ मार्च २०१५ के दिन जिम्मेदारी का विद्यमान मूल्य	१०,१४२,६६१	७,२८७,५४३
योजना अस्तियाँ के सही मूल्य में बदल		
१ अप्रैल २०१४ के दिन योजना अस्तियाँ के सही मूल्य	४,१७९,६२७	४,६७५,१९०
योजना अस्तियाँ कि अपेक्षित वापसी	३८२,७१०	३६२,४२६
कर्मचारी द्वारा योगदान	--	६४२,०२४
लाभ भुगतान	--	(१,४६४,७३०)
संख्यिकी लाभ / (घाटा)	(६,५४४)	(३५,२८३)
३१ मार्च २०१५ के दिन योजना अस्तियाँ का सही मूल्य	४,५५५,७९३	४,१७९,६२७
वर्ष के लिए लाभ जिम्मेदारी एवं योजना अस्तियाँ रिकन्सिलिएशन		
वर्ष ३१ मार्च २०१५ में निधी बंधन का चालू दर	१०,१४२,६६१	७,२८७,५४३
योजना लागत मान्यता दर ३१ मार्च २०१५ पर	४,५५५,७९३	४,१७९,६२७
कुल घाटा (लाभ)	५,५८६,८६८	३,१०७,९१६
रक्कम कि मान्यता बैंलन्स शीट से		
घाटा	१०,१४२,६६१	७,२८७,५४३
लाभ	४,५५५,७९३	४,१७९,६२७
कुल घाटा लाभ बँलन्स शीट में दिखाया	५,५८६,८६८	३,१०७,९१६
लाभ और घाटा योजना किमत पर		
चालू सेवा	५९५,००५	५४५,३७६
ब्याज किमत	६५१,४६३	७२६,८२८
योजना ऍसेट का निश्चित परतावा	(३८२,७१०)	(३६२,४२६)
कुल सही घाटा (फायदा) चालू वर्ष में मान्यता	१,६९३,२१७	(२,१९०,२०१)
किमत योग का स्पष्टिकरण अनुसूचि १२ में समाविष्ट योजना में	२,५५६,९७५	(१,२८०,४२३)
योजना लागत पर योग परतावा और आवश्यक समेट		
योजना अस्तियाँ पर वापसी	३८२,७१०	३६२,४२६
सही लाभ / (घाटा) योजना ऍसेट पर	(६,५४४)	(३५,२८३)
योजना ऍसेट पर सही परतावा	३७६,१६६	३२७,१४३

योजना अस्तियाँ कि निवेश जानकारी -

योजना अस्तियाँ कि निवेश जानकारी	३१.०३.२०१५	३१.०३.२०१४
	रू.	रू.
भारतीय जीवन बिमा निवेश द्वारा संचलित	१००%	१००%

मूलधन का प्रमुख सांख्यिकी अनुमान -

विवरण	**३१.०३.२०१५**	**३१.०३.२०१४**
छुट का दर	७.७०%	९.१० %
योजना अस्तियाँ पर वापसी का प्रत्यक्ष दर	८.७५ %	८.५० %
वेतन में वृद्धी	६.०० %	६.०. %

भविष्य में अंदाजित वेतन वृद्धि अंदाज के लिए, सही किमत, लेखा का बदलाव, वरिष्ठत बढती और अन्य संबंधित घटक जैसे कर्मचारि बाजार में पुरवठा और माँग रही हो ।

ऐसे अंदाज लंबी समय और पूर्व अनुभव मर्यादित पर आधारित / तुरंत भविष्य में नहीं है । अनुभव आधारित सबुत भी सुझाव देता है कि जादा लंबी समय के लिए होनेवाली उच्च वेतन में बढ़त की दर सहज आसान नहीं हैं ।

चालू और पिछली कालावधी कि रक्कम निचे दि है ।

विवरण	३१.०३.२०१५	३१.०३.२०१४	३१.०३.२०१३	३१.०३.२०१२	३१.०३.२०११
	रूपये	**रूपये**	**रूपये**	**रूपये**	**रूपये**
आवश्यक लाभ का स्पष्टिकरण	१०,१४२,६६१	७,२८७,५४३	९,७०५,५५३	८,४८२,५१३	८,२४७,५२९
योजना अस्तियाँ	४,५५५,७९३	४,१७९,६२७	४,६७५,१९०	४,७९५,९७१	४,६५४,८४७
जादा / (नुकसान)	५,५८६,८६८	३,१०७,९१६	५,०३०,३६३	३,६८६,५४२	३,५९२,६८२
अनुभव में तडजोड योजना कि जबाबदारियाँ	५५१,७५१	(१,५१७,३४३)	४५१,९२८	(६१९,०५४)	(६,९९५,४७०)
अनुभव में तडजोड योजना ऍसेट पर	६,५४४	३५,२८३	२४,०५३	३४,४२८	११,१५२

विमा तज्ञ ने चालई गई पूर्ण विमा की किमत से पद व्यवस्थापन सहमत है । जैसे किए अनुभव का ॲडजस्टमेंट योजना ॲसेट पर और असतियों पर तैयार मिलता है और इसलिए बंद नही होता है ।

अन्य लंबी समय की जबाबदारियाँ -

छुट्टी रोखिकरण	३१.०३.२०१५	३१.०३.२०१४
	रूपये	रूपये
चालू वर्ष ३१ मार्च २०१४ कि किमत आवश्यकताएँ	६,७०२,७२५	४,४७६,२१६
योजना अस्तियाँ	—	—
कुल लाभ / घाटा	६,७०२,७२५	४,४७६,२१६

भविष्य में वेतन वृद्धि का इस्टिमेट निष्पत्ति सहायक विमा की किमत चलनवृद्धी की लेखा, वरिष्टता, बढत और अन्य जुडे हुए घटकों से जैसे सप्लाय और संभव है ।

हिस्सा योजना का स्पष्टिकरण

कर्मचारियों का भविष्य निर्वाह निधी में सहयोग	३१.०३.२०१५	३१.०३.२०१४
	(रू.)	(रू.)
प्रोव्हिडंट/ग्रॅच्युईटी और इतर फंडस में सहयोग	१,८०५,६१७	२,३०२,२१०

एम.एम.निस्सिम अँण्ड कंपनी
चार्टड अकाउंट्टस्

भारतीय रबड़ निर्माता अनुसंधान संघ

एस/डी
(एन.काशिनाथ)
पार्टनर

एस/डी
डॉ. के. राजकुमार
निदेशक

एस/डी
(डॉ. रघुपती सिंघानीया)
चेअरमन

स्थान :- मुंबई
दिनांक : २१-०९-२०१५

हमारे सदस्य : हमारे आश्रयदाता

एमआरएफ लिमिटेड़ - चेन्नई	सीएट लिमिटेड़ - मुंबई	बालक्रिशना इंड़स्ट्रिज लि.- मुंबई
डव्ह केमिकल्स इंटरनॅशनल प्रा.लि. - पुणे	ब्राझा टायर्स - हिमाचल प्रदेश	इस्टमन ऍाटो ऍण्ड़ पावर लि. हरियाणा
पीरेली टायर्स - दक्षिण आफ्रीका	इमेरल्ड़ रेसिससलियन्ट टायर मॅन्य.प्रा.लि - तामिलनाडू	मेटो् टायर - लुधियाणा
फाल्कन टायर्स लिमिटेड़ - कर्नाटक	कबीर कंपोनेन्टस्/पीटी इलांगाप्रांड़ा - दिल्ली	इरा ग्लोबल स्टॅन्डर्डस् -नई दिल्ली
एजीजी एक्सपोर्ट - लुधियाना	इन्होव्हेटिव्ह टायर्स - मुंबई	जे के टायर्स - दिल्ली
अग्रवाल रबड़ लिमिटेड़ - आंध्रप्रदेश	अपोलो टायर्स - गुजरात	राम लुभैया ॲण्ड सन्स - लुधियाना
मल्होत्रा रबड़ लिमिटेड़ - नई दिल्ली	मोतिबा सिलिकॉन प्रा.लि. - मुंबई	योखाना - नई दिल्ली
चेंग सिन रबड़ इंड़स्ट्रिज कं./मॅक्सिस - तैवान	मैसूर पालिमर्स ऍन्ड़ रबड़ पा.लि. - मैसूर	इंडो चायना इंपेक्स - नई दिल्ली
गुड़ इयर इंड़िया - औरंगाबाद	नंदी रबड़ - हैद्राबाद	एस. ॲण्ड जे. ग्रॅनिअुल्स सोल्युशन प्रा. लि. - वापी, गुजरात
गौंगझोव्ह/पेरल रिव्हर रबड़ टायर्स लि - चायना	एक्सेल रबड़ लि. - हैद्राबाद	बालक्रिष्ण इंडस्ट्रीज लि. - मुंबई
मिचेलिन इंड़िया टायर्स प्रा.लि. - नई दिल्ली	राम लुभया ऍन्ड़ सन्स - दिल्ली	ईस्टमान ऑटो ॲण्ड पॉवर लि. -हरियाणा
बीर्ला टायर्स - हरिद्वार	योखामा - दिल्ली	मेट्रो टायर्स -लुधियाणा
वॅबको टीव्हीएस इंड़िया लि. - चेन्नई	इंड़ो चायना इम्पेक्स - दिल्ली	
कॉन्टीनेन्टल ऍटोमोटीव्ह कॉम्पोनेन्टस - नई दिल्ली	एस ऍन्ड़ जे गॅन्युलेट सोल्युशन प्रा. लि. - गुजरात	

हमारे आजीवन सदस्य

बोरॉन रबड़ इंड़िया
गुजरात- ३६४००१

बायमर इलोस्टोमर्स
नाशिक- ४२२०१०

कामटा इंटरपायजेस
मुंबई- ४०० ०७२

केमिस्च ग्लोबल प्रा. लि.
पुणे- ४११०१८

सिकौटक्सो इंड़िया प्रा. लि.
महाराष्ट्र - ४१०५०६

ड़ी एॅण्ड़ ड़ी रबड़ इंडस्ट्रीज
महाराष्ट्र

देवशिस पॉलिमर्स प्रा. लि.
महाराष्ट्र - ४०००३८

दिवेकर वॉल स्टॅब एॅण्ड़
स्किनदेर प्रिसिशन सेल्स प्रा. लि.
ठाणे- ४२१३०३

इस्टर्न ट्ड़ेस लि.
केरला- ६८२०२४

इलेक्ट्रिकल कास्टिंग लि.
मुंबई- ४००६१४

फिल्ट रुम पॉलिमर्स
पुणे- ४११०५७

फाईन फिनिश
महाराष्ट्र - ४००६१४

मान्सून्स ऑटोमोटीव्ह
मुंबई- ४०० ०६४

मॅक स्पेअर रबड़ पाड़क्ट
महाराष्ट्र - ४००००४

मुंबई फॅब्रिक्स प्रा. लि.
मुंबई- ४००००२

निशिगंधा पॉलिमर्स प्रा. लि.
मुंबई- ४०००२३

ऑरसन होल्ड़ींग्स कं. लि.
वेस्ट बेंगाल- ७०००२७

ओसाका रबड़ प्रा. लि.
मुंबई- ४०००५९

पॉलि हाउस रबड़
तामिलनाडू- ६०२११७

पॉप्यूलर रबड़ प्राड़क्टस
मुंबई- ४०००६३

प्रभात इलोस्टोमर्स
मुंबई- ४०० ०८३

प्रसाद पॉलिमर्स
मुंबई- ४०००९०

प्रिसेसियन सिल्समॅन्यू. लि.
महाराष्ट्र -४१०५०१

प्रिसेसियन रबड़ इंडस्ट्रीज
मुंबई- ४०००१८

आर.एस. इम्पेक्स इंटरनेशनल
वेस्ट बेंगाल- ७०००७३

रक्शा पॉलिकॉट्स प्रा. लि.
चिंचवड़ - ४११०२६

टाटा स्टिल लि. मुंबई- ४००००१

द रबड़ रेंज
मुंबई- ४०००९२

टीएम टायर लि.
तेलंगना- ५००००३

ताजा टायर एण्ड ट्ड़ेस प्रा.लि.
मुंबई- ४०००६०

त्रिकॉन पॉलिमर्स प्रा.लि.
मुंबई- ४०० ०९३

त्रिवेणी रबड़
ठाणे- ४००६०१

उदय इंस्ट्यूमेंटस्
महाराष्ट्र - ४०००९३

युनाईटेड़ रबड़ इंडस्ट्रीज प्रा.लि.
महाराष्ट्र - ४०११०५

युनिव्हर्सल ऑईल सिल्स् प्रा.लि.

ववांजे क्रंब रबड़
मुंबई- ४०००८८

वी के रबड़ प्राड़क्ट
मुंबई- ४०००९३

विदाशा इलोस्टो टेक्नॉलॉजिक
मुंबई- ४०००६३

वीटमन्स् इंडस्ट्रीज प्रा.लि.
मुंबई- ४०००६३

झेनित इंडस्ट्रीज रबड़ प्रॉड़क्ट प्रा.लि.
मुंबई- ४०० ०२०

हमारे आजीवन सदस्य

अलिको पॉलिमर्स
नागपूर- ४४००१३

अम्मी पॉलिमर्स
मीरारोड़ - ४०११०४

अमूल पॉलिमर्स
कर्नाटक- ५६००९१

अपार इंड्स्ट्रिज लि.
आंध्रप्रदेश- ५१५ २११

आर्यन एक्सपोर्ट
पंजाब- १४१००३

आशापूरा रबड़ उद्योग प्रा.लि.
नाशिक- ४२२०१०

अशुतोष रबड़ प्रा. लि.

अशुतोष रबड़ प्रा. लि.
राजकोट- ३६० ००१

असियन रबड़ पेड़क्ट
हरियाणा- १२२०५१

असोसिएटेड़ सोप स्टोण ड़िस्ट्रीब्यूटिंग प्रा.लि.
राजस्थान- ३०२००१

अतूल लि.

बसन्त रबड़ फॅक्टरी लि.
मुंबई- ४०० ०८३

बाम्बे ऑईल सिल्स कं.
महाराष्ट्र ४०००८६

जी आर पी लि.
मुबई- ४०००७०

हिंदी इलोस्टोमर्स प्रा. लि.
४००००६

इनोव्हा रबड़ प्रा. लि.
नाशिक- ४२२ ०१०

इसान इक्विपमेंट प्रा. लि.
गुजरात- ३९१३५०

जॅकोसिल्स
महाराष्ट्र - ४०००६३

जयश्री रबड़ इंड्ष्ट्रिज
मुंबई- ४००००२

जे.के. फिन्नर लि.
चेन्नई- ६०० ०३५

जोसेफ लेस्लि डायनॉमिक्स ऍण्ड़ कं . लि.
वसई- ४०१२०८

कांतीलाल छोटालाल ऍण्ड कं.
मुंबई- ४०० ०६०

काट्सोन पॉलिमर्स
कर्नाटक- ५९१११३

कुर्वा रबड़ ऍण्ड वाल्वेज
मुंबई- ४०००१४

क्वालिटी पॉलिमर्स प्रा. लि.
मुंबई- ४००६०४

लाठिया रबड़ मॅन्यु. कं. प्रा. लि.
मुंबई- ४०० ०७२०

लायन रबड़ इंड़स्ट्रिज प्रा. लि.
मुंबई- ४०१ २०८

राणे इलोस्टोमर्स प्रोसेसर
मुंबई- ४०० ०६८

रोटेक्स ऑटोमेशन लि.
मुंबई- ४०००९३

रॉयल प्लास्टिक्स इंडस्ट्रिज प्रा.लि.
मुंबई- ४०००६८

रुच्चा इंपेक्स प्रा. लि.
नई मुंबई- ४१०२०८

साईराम कार्तिक पॉलिमर्स
तामिलनाडू- ६४१०३५

सिवशंकर रबड़ प्राड़क्ट
महाराप्ट्-ा ४०००६३

श्रद्धा टेक्नो सोल्यूशन प्रा.लि.
महाराष्ट्र ४२१३०२

श्री सरोज रबड़ प्रोडक्ट
वड़ोदरा- ३९००१९

श्रीराम रबड़ प्रोड़क्ट प्रा.लि.
पुणे- ४११०२६

सूदर्शन ऑटो इंड़स्ट्रिज प्रा.लि.
महाराष्ट्र ४१२२०६

सनराइज टायर टयूब प्रा.लि.

सूप्पर होज इंड़स्ट्रिज
हिमाचल प्रदेश- १७४ १०१

सिंड़ीकेट वाइपर सिस्टिम्स प्रा.लि.
नईमुंबई- ४००७०५

टार्गेट रबड़
मुंबई- ४०००६९

यंत्रसामग्री एवं उपकरण

रसायन विभाग

एफटीआईआर स्पेक्टोमीटर एटीआर के साथ (निकोलेट ६७००)
एफटीआईआर स्पेक्टोमीटर (पर्किनएलएम पारागान १०००)
सीएचएनएस ऐनलाईजर (टूस्पेक सीएचएनएस माईक्रो)
हाई प्रेशर लिक्विड क्रोमोटोग्राफ(एचपीएलसी/जीसीपी एलिजन्ट ११००)
जीसीएमएस पायरोलैसर/एफआईडी के साथ(शिमाडझू जीसी १७
आईसीपी स्पेक्टोमीटर (स्पेक्ट्सिरोस सीसीडी)
वेदर ओ मीटर(अटलास मोडेल सीआई ३०० डब्ल्यै)
लो टेम्परेचर रिट्क्यान रिजिडीटी
लो टेम्परेचर ब्रिटलनेस टेस्टर(निविटेक)
बीईटी सर्फेस एरिया एनलायजर(स्मार्ट इन्स्टूमेन्ट एसओआरबी ९०)
फलेमेबिलीटी टेस्टर
ब्रूकफिल्ड विस्कोमिटर(ब्रूकफिल्ड डीव्ही - २)
आईआर स्पेक्टोमीटर(पार्किन एलमर १३१०)
गैस क्रोमोटोग्राफ - जीसी २०१४
सबमाईक्रान पार्टिकल साईजर - निकोम्प ३८०
यूव्ही स्पेक्टोमीटर - शिमाडझू १८००

थर्मल विभाग

डाईनेमेक मेकैनिकल एनलाईजर(डीएमए) (व्हीए- ४००० मट्विब)
सर्वो हाईलाईक मशिन(इन्स्टारन मेक)
स्टास रिलरक्सोमीटर
डिफ्रन्सियल स्केनिंग केलोरीमीटर(डीएसपी-७ पर्किनएल्मर)
डिफ्रन्सियल स्केनिंग केलोरिमीटर (क्यू-१० टीए इन्स्ट मेंन्ट)
टीजीए - पाईरिस एनरायजर
थर्मो ग्राविमेट्कि एकनराईजर (टीजीए-७ पर्किनएल्मर)
थर्मो ग्राविमेट्कि एकनराईजर
(टीजीए-६ आटो सैम्पल के साथ पर्किनएल्मर)
थर्मो ग्राविमेट्कि एकनराईजर (क्यू - ५० टीए इन्स्ट मेन्ट)
आईझोड इम्पैक टेस्टर
विकाट साफटनिंग पाइंट टेस्टर

क्रिप टेस्टिंग उपकरण

कम्पेसन

फिजिकल विभाग

रिओ मीटर माडेल आर-१००, मीन्साटो
मूनी विस्कोमीटरए लैबटेक
रबड़ प्रोसेसिबलेटी अनलाईजर(आरपीए अल्फा टेक्नोलॉजी यूएसए)
यूनिवर्सल टेस्टिंग मशिन(१०००० केजीए ५०० केजी)
यूनिवर्सल टेस्टिंग मशिन झिवक(५०० केजी स्टार मेक)
मिली मेगोहेम मीटर(मॉडेल एलएस-३)
यूनिवर्सल टेस्टिंग मशिनविडीओ के साथएक्स्टेन्सोमीटर
रबड़ हार्डनेस टेस्टर (आईआरएचडी डेड लोड हार्डनेस टेस्टर वगैरे)
डीआईएन अब्रेसन (यूएसए)
डनलप ट्प्सोमीटर
डिमाटिया फलेक्सिंग मशिन
रॉस फलेक्सिंग मशिन
डिफलेक्शन टेस्टर डाइफ्राम के लिए
एयर/गैस पर्मिबिलीटी टेस्टर
गुडरिच फलेक्सो मीटर
कार्बन ब्लैक डिस्पर्शन टेस्टर
हाई होल्टेज टेस्टर (४० केव्ही
गामा चेंबर (२५०० सीआई)
शाक एब्साबर टेस्टर

सपोर्टिंग सुविधाएँ

पेटेलाईजर
हयूमिडीटी चेम्बर (निविटेक)
हाई प्रेशर रियाक्टर
हाई प्रेशर रियाक्टर
हाई प्रेशर होज टेस्टींग तशिन
इलेक्ट्रॉनिक बैंलन्स (संख्या ४)
मल्टिसेल एजिंग ओव्हन
ऑक्सिजन/एआर बॉम्ब टेस्टर
एअर सक्युलिटींग एंजिंग ओव्हन (संख्या ९)
हाड्रो न्यूमैटिक पम्प
यूव्ही चेम्बर (निविटेक)
साईरो टेस्ट चेम्बर ३० डि.से. तक (निविटेक)
साईरो टेस्ट चेम्बर ३० डि.से. तक सिलन्ट टेस्ट सुविधा के साथ (निविटेक)

यंत्रसामग्री एवं उपकरण

प्रक्रिया एवं अन्य इक्विपमेंट

रि-ट्रेडिंग मशिन

मिक्सिंग

बानबुरी मिक्सर एफए ४० ३५ एल क्षमता

मिक्सिंग मील

५ X१३ -२ संख्या

१२ X३० - १ संख्या

१६ X ४२ - १ संख्या

ब्रोबंडर प्लास्टिकोर्डर एक्स्ट्रूडर के साथ

माडेल पीएल २२००

मोल्डिंग प्रेस

ट्विन हाईड्रोलिक प्रेस इस आकार के :

१२ X १२

१४ X १४

हाईड्रोलिक प्रेस

३६ X ३६ - १ संख्या

४७ X ४८ - १ संख्या

१ मि. X १ मि. - १ संख्या

वैक्यूम कंर्पेशन प्रेस - पैस्टन

रबड़ इजेक्शन मोल्डिंग मशिन - आरईपी मेक १००० सी सी क्षमता

प्लास्टिक इंजेक्शन मोल्डिंग मशिन एंजेल यूएसए

कैलेंडर

३ रोल्ड कैलेंडर - लैब साईज - १ संख्या

३ रोल्ड कैलेंडर - १६ X ४८ साईज - १ संख्या

एक्स्ट्रूडर

३ कोल्ड फीड एक्स्ट्रूडर

६ हाफ फीड एक्स्ट्रूडर

ट्विन स्क्रू एक्स्ट्रूडर फिडर के साथ

आटो कव्हर

४ X ८ ला आटो क्लेव इन्डाईरेक्ट पैंकार १ संख्या

४ X ८ ला आटो क्लेव इन्डाईरेक्ट पैंकार १ संख्या

बाईलर ३०० एस थमैक्स मेक १ संख्या

नानो एवं लैटेक्स विभाग

पार्टिकल साईज ऐनलाईजर

एमएसटी मैकेनिकल स्टैबिलिटी टेस्टर

सर्फेस टेन्सिमीटर

डिपिंग इक्विपमेंट

थेंड यूनिट

फोम फार्मिंग इक्विपमेंट

हाट एयर ओव्हन

लैटेक्स एवं डिस्पर्शन

कलर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर

माईक्रो वेव ओव्हन

टूल रुम/ मेन्टेनन्स शॉप

सीएनसी मिलिंग मशिन हार्डिंज मेक

यूनिवर्सल मिलिंग मशिन वर्टिकल एवं हारिजांटल

रैडियल ड्रिल मशिन

सर्फेस ग्राईंडिंग मशिन मैन्यूअल

हाईड्रोलिक सर्फेस ग्राईंडिंग मयान

सेन्टर लेथ मशिन

बेन्च ग्राईंडिंग मशिन

होज बर्स्टिंग प्रेशर मशिन

एयर कॉम्र्पेसर्स

शिरिओर्गोफी के लिए टायर जाँच यंत्र

स्कूटर पैसेंजर कारए ट्क एवं बस वगैर के लिए टायर

एन्डयूरन्स जाँच मशिन रोलिंग

श्रेझिस्टन्ट के साथ

नाईजए व्हाईबेशन एवं हार्शेनेस जाँच

युनिवर्सल टेस्टिंग मशिन प्लंजर जाँच के साथ

बीड अनसिट्रिग सुविधाए पूट पिंन्ट

भारतीय रबड़ निर्माता अनुसंधान संघ

सम्मान एवं कार्य / सेवाएँ

अधिकार प्रदान / प्रामाणिकरण / मान्यता द्वारा

- एनबीएल (आईएसओ : १७०५.२००५)
- आईएसओ -९००१ . २००८ (बीएसआई)
- सेंटर फॉर मिलिटरी एअर वर्दिनेस ऍण्ड सर्टिफिकेट सीईएमआईएलसी)
- खान सूरक्षा निर्देशालय (डीजीएमएस)
- वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग
- बीआईएस

मुख्य गतिविधियाँ

- प्रक्रिया एवं उत्पाद विकास
- माल चुनना / विशेषता तथा विकास
- रिव्हर्स अभियांत्रिकी / कंपाउंड विकास
- जाँच तथा प्रमाणिकाण (टायर तथा टायर अलावा जाँच)
- रबड़ अभियांत्रिकी एवं फिनाईट एलिमेंन्ट विश्लेषण
- गुणवत्ता लेखापरिक्षण तथा जीएमपी सेवाएँ
- प्रशिक्षण तथा मशवरा सेवाएँ रबड़ तकनिकी एवं एलएमएस (प्रयोगशाला

व्यवस्थापन यंत्रणा)

- स्टोरेज तथा सेवा आयुमान अंदाजा
- गुणवत्ता नियंत्रण / ऐशुरन्स
- प्रक्रिया सुधार / समस्या निवारण
- लागत कटौती
- असफलता विश्लेपण
- आईआरएमआरए द्वारा निर्माण की गई अधुनिक सुविधाओं की सहायता से एवं इसके वैज्ञानिको द्वारा विकास की गई कुशलता की सहायता से आईआरएमआरए निम्न उद्योगों के विषय में तकनिकी एवं वैज्ाानिक परामार्श एवं सेवाएँ दे सकती है ।

कुशलताएँ

- स्पेसिफिकेशन तथा इसका अर्थ
- रिवर्स रिइंजिनिअरिंग
- प्रसंस्करण का विकास
- देशिकरण एवं रबड़ उत्पादकों का आयात विकल्प
- लागत में घटौती
- आयुमान का अंदाज
- नकार एवं रद्दी का नियंत्रण
- अंतिम उत्पाद के गुणवत्ता में सुंधार
- टीपीआर

अधिक जानकारी के लिए कृपया इस पते पर संपर्क करें
डॉ. के. राजकुमार, निदेशक
भारतीय रबड़ निर्माता अनुसंधान संघ
क्षेत्र क्र. २५४/१ बी, रास्ता नं. १६ व्ही, वागले औद्योगिक इस्टेट, थाने -४०० ६०४. महाराष्ट्र, भारत .
दूरभाष क्र : ०२२ . २५८११३४८ / २५८३६५० /५१ / ५२, टैलिफैक्स : ०२२-२५८२३९१०
टेलिफॅक्स : ०२२-२५८२३९१० email : info@irmra.org Website : www.irmra.org